हरिभूमि

रोहतक भूमि

रोहतक, रविवार 19 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 40 .4 डिग्री से.
न्यूनतम 25 .4 डिग्री से.

शहर में आज

- श्रद्धांजलि सभा, जनसभा एवं कैंडल (मशाल) मार्च शाम 7 बजे।
- वार्ड-12 में चलेगा स्वच्छता अभियान सुबह 7 बजे ।
- संकट मोचन मंदिर में आरती

खबर संक्षेप

एमडीयू: बीएड-एमएड दाखिले 27 जुलाई से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीएड, एमएड, बीएड (स्पेशल एजुकेशन) और एमएड (स्पेशल एजुकेशन) पाठ्यक्रमों में प्रवेश का शेड्यूल जारी कर दिया है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 27 जुलाई से 27 अगस्त तक चलेगी। अभ्यर्थी 3 सितंबर तक चॉइस फिलिंग और लॉकिंग कर सकेंगे। 9 सितंबर को प्रोविजनल मेरिट सूची जारी होगी, जबकि अंतिम मेरिट सूची 18 सितंबर को जारी की जाएगी। पहली काउंसलिंग 24 से 30 सितंबर, दूसरी 5 से 12 अक्टूबर और तीसरी 16 से 22 अक्टूबर तक होगी। सीटें खाली रहने पर 28 अक्टूबर को फिजिकल काउंसलिंग के माध्यम से दाखिले दिए जाएंगे।

आईटीआई में दाखिले शुरू पहली मेरिट सूची जारी

रोहतक। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) रोहतक में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभाग की ओर से पहली मेरिट सूची जारी कर दी गई है। चयनित अभ्यर्थी 21 जुलाई तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। पहली सूची में नाम नहीं आने वाले अभ्यर्थियों को दूसरी मेरिट सूची का इंतजार करना होगा। इस वर्ष आईटीआई के 13 ट्रेडों में 300 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी करते पकड़ा गया आरोपी

सांपला। गांव भैसरू खुर्द में ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी करते एक आरोपी को ग्रामीणों ने रंगे हाथ पकड़ लिया। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को चोरी की ट्रॉली व ट्रैक्टर सहित हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार गांव निवासी बलजीत सिंह ने बताया कि उसकी लोहे की ट्रॉली घर के बाहर खड़ी थी। शनिवार तड़के उसने आवाज सुनकर बाहर देखा तो दो युवक ट्रॉली को ट्रैक्टर से जोड़कर ले जा रहे थे। पीछा करने पर उसने ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया, जबकि दूसरा आरोपी फरार हो गया। पकड़े गए आरोपी की पहचान रवि कुमार निवासी सांपला के रूप में हुई है।

प्रो. दर्शना चौधरी को 31 लाख की रिसर्च ग्रांट

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी की प्रोफेसर

डॉ. दर्शना चौधरी को हरियाणा स्टेट रिसर्च फंड के तहत 31 लाख रुपये की शोध अनुदान राशि मिली है। इस राशि से लम्पी स्किन रोग के पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन और लोबिया फसल में पोषक तत्वों की वृद्धि पर शोध किया जाएगा।दो वर्षीय इस परियोजना में नैनो टेक्नोलॉजी व आरएनएआई तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने बधाई दी है।

अपनी सुरक्षा को नजरअंदाज करने वालों पर पुलिस का डंडा

हेलमेट, सीट बेल्ट नहीं, पुलिस ने 200 वाहनों पर ठोका जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में ट्रैफिक नियमों की अनदेखी अब लोगों को भारी पड़ने लगी है। शहर की सड़कों पर उतरी पुलिस ने एक दिन के विशेष अभियान में बाइक सवारों और कार चालकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 200 वाहनों के चालान कर डाले। हेलमेट के बिना बाइक दौड़ाने से लेकर सीट बेल्ट न लगाने और गलत तरीके से वाहन चलाने तक के मामलों में करीब 1 लाख 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

रोहतक। नियमों की अवहेलना पर वाहनों का चालान करते पुलिस कर्मी। फोटो:हरिभूमि

दस्तावेज साथ नहीं रखना पड़ा भारी

पुलिस की यह कार्रवाई शहर के प्रमुख चौक, बाजारों और व्यस्त मार्गों पर की गई। अभियान के दौरान सबसे ज्यादा चालान बिना हेलमेट चलने वाले बाइक सवारों के काटे गए। कई वाहन चालक दस्तावेज साथ नहीं रखने, गलत दिशा में वाहन चलाने और मोबाइल पर बात करते हुए गाड़ी चलाने के मामले में भी पकड़े गए। पुलिस की कार्रवाई से लोगों में हड़कंप मच गया है।

दुर्घटनाओं को देखते हुए चलाया अभियान

ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के अनुसार शहर में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए यह अभियान चलाया गया। जांच के दौरान कई दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट मिले, जबकि कार चालकों में सीट बेल्ट न लगाने की प्रवृत्ति भी बड़ी संख्या में सामने आई। पुलिस ने मौके पर ही चालान काटकर जुर्माना वसूला। पुलिस का कहना है लोग अब हेलमेट पहनकर चलेंगे।

कार्रवाई देख चालक रास्ता बदलते नजर आए

अभियान के दौरान कुछ वाहन चालक पुलिस कार्रवाई देखकर रास्ता बदलते नजर आए, जबकि कई लोग हेलमेट साथ होने के बावजूद सिर पर लगाए बिना वाहन चलाते मिले। पुलिस ने ऐसे चालकों को भी नियमों का पालन करने की चेतावनी दी। पुलिस का कहना है अभियान आगे भी जारी रहेगा, जबतक चालक अपनी जिम्मेदारी का पालन शुरू नही कर देते।

हेलमेट और सीट बेल्ट जान बचाने में अहम

ट्रैफिक नियम केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। दुर्घटना होने पर हेलमेट और सीट बेल्ट जान बचाने में सबसे अहम भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग नियमों की अनदेखी करते हैं। अभियान के दौरान कई चौकों पर पुलिस ने वाहन चालकों को जागरूक भी किया और उन्हें नियमित रूप से हेलमेट तथा सीट बेल्ट का उपयोग करने की सलाह दी।

-गौरव राजपुरोहित, एसपी, रोहतक

अब बरसेगा 210 करोड़ का अमृत

निगम सीमा के आठ गांवों में बनेंगे जलघर, बूस्टर और नई पाइपलाइन

- जन स्वास्थ्य विभाग ने रिपोर्ट तैयार कर मुख्यालय भेजी विस्तृत परियोजना

विजय अहलावत ▶▶| रोहतक

खास खबर

शहर और नगर निगम सीमा में शामिल आठ गांवों में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए करीब 210 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की गई है। यह कार्य अमृत योजना-3 के तहत कराया जाएगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) ने विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर मंजूरी के लिए मुख्यालय भेज दी है। स्वीकृति मिलने के बाद चरणबद्ध तरीके से जलघर, बूस्टर, नई पाइपलाइन और जरूरत वाले क्षेत्रों में सीवर लाइन बिछाने का काम शुरू किया जाएगा। योजना पर काम शुरू होने के बाद पेयजल और सीवर लाइन से सम्बंधित अधिकतर समस्याएं खत्म हो जाएंगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, रोहतक शहर की बढ़ती आबादी और निगम सीमा के विस्तार को देखते हुए मौजूदा पेयजल व्यवस्था पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। कई इलाकों में कम दबाव से पानी की आपूर्ति, पुरानी पाइपलाइन और पर्याप्त स्टोरेज क्षमता नहीं होने जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। परियोजना का उद्देश्य इन कमियों को दूर कर शहर के साथ-साथ निगम सीमा में शामिल गांवों तक भी बेहतर और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करना है।

फाइल फोटो

पुरानी और जर्जर पानी की पाइपलाइनें बदली जाएंगी

योजना के तहत नए जलघर और बूस्टर स्टेशन बनाए जाएंगे, जबकि पुरानी और जर्जर पानी की पाइपलाइन को बदलने तथा जरूरत वाले क्षेत्रों में नई लाइनें बिछाने का प्रावधान रखा गया है। जिन क्षेत्रों में सीवर व्यवस्था पर्याप्त नहीं है, वहां नई सीवर लाइन भी डाली जाएगी ताकि भविष्य में जलभराव और गंदे पानी की निकासी की समस्या कम हो सके। गौरतलब है कि रोहतक में इससे पहले भी सीवर और पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद शहर के विस्तार और आबादी बढ़ने के कारण कई नए क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की आवश्यकता बनी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब 210 करोड़ रुपये की नई परियोजना तैयार की गई है।

इन गांवों में शहरी स्तर की जलापूर्ति व्यवस्था होगी

नगर निगम ने आसपास के आठ गांवों को निगम सीमा में शामिल किया था। उस समय इन गांवों को शहर जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था। हालांकि, आज भी अधिकांश गांवों में पेयजल, सीवर और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी बनी हुई है। नई परियोजना के लागू होने से इन गांवों को भी शहरी स्तर की जलापूर्ति व्यवस्था का लाभ मिलने की उम्मीद है। विभाग का कहना है कि मुख्यालय से मंजूरी मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। परियोजना पूरी होने पर शहर और आसपास के हजारों परिवारों को बेहतर जलापूर्ति और मजबूत सीवर व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

इन कार्यों पर फोकस

- नए जलघर का निर्माण
- बूस्टर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे
- नई पेयजल पाइपलाइन बिछाई जाएगी
- पुरानी पाइपलाइन का नवीनीकरण
- जरूरत वाले क्षेत्रों में सीवर लाइन डाली जाएगी
- निगम सीमा के गांवों को शहरी स्तर की जलापूर्ति सुविधा से जोड़ा जाएगा

विकास को मिलेगी गति

करीब 15 साल पहले नगर निगम ने निकटवर्ती गांव बोहर, गढ़ी बोहर, बलियाना, खेड़ी साध, पहरावर, कन्हेली, सुनारिया खुर्द और सुनारिया कलां को नगर निगम सीमा में शामिल किया था। उस समय उद्देश्य था कि इन गांवों को शहर की तर्ज पर सभी मूलभूत सुविधाएं दी जाएंगी और सड़कों, बिजली, पानी को लेकर विकास किया जाएगा। लेकिन इन अधिकतर गांवों को आज भी सभी सुविधाएं नहीं मिल पाई हैं।

यहां पाइप लाइन जर्जर

शहर में भी ऐसी कई कॉलोनियां हैं, जहां एक दशक से भी अधिक समय से पानी की पाइप लाइन जर्जर है। अशोक नगर, साईदास कॉलोनी, तेज कॉलोनी, गुरुनानकपुरा, पाडा मोहल्ला, बाबरा मोहल्ला, जनता कॉलोनी, रैनकपुरा, खोखराकोट, बसंत विहार, हनुमान कॉलोनी, सलारा मोहल्ला, गोहाना अड्डा आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जहां जर्जर पाइप लाइन की वजह से दूषित पेयजल की सप्लाई आती है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सीसीटीवी ने खोला राज तीन बार हुई महिला आईएएस के घर चोरी

- पड़ोसियों का दावा है कि घटना के समय एक गाड़ी में दो पुलिसकर्मी मौजूद थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की पॉश डीएलएफ कॉलोनी स्थित एक महिला आईएएस अधिकारी के बंद मकान में पिछले सात दिनों के दौरान तीसरी बार चोरी की वारदात सामने आई है। ताजा घटना में बदमाश घर में घुसकर कीमती सामान के साथ नल की टोटियां तक उखाड़ ले गए। पूरी वारदात मकान में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिससे लगातार हो रही चोरियों का खुलासा हुआ। महिला आईएएस अधिकारी वर्तमान में नूंह में अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) के पद पर तैनात हैं। उनका रोहतक स्थित मकान लंबे समय से बंद है और उसकी देखरेख पड़ोसी को सौंपी गई है। इसी का फायदा उठाकर चोर लगातार मकान को निशाना बना रहे हैं। पड़ोसियों का दावा है कि घटना के समय पास में एक गाड़ी में दो पुलिसकर्मी भी मौजूद थे। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी तक इस संबंध में शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

रात दो बजे घर में घुसे दो युवक

सीसीटीवी फुटेज में मंगलवार रात करीब दो बजे दो युवक मकान में घुसते दिखाई दिए। सुबह पड़ोसियों ने घर का सामान बिखरा और नल की टोटियां उखड़ी देखीं, तब चोरी का पता चला। कम रोशनी के कारण आरोपियों के बाहर निकलने की तस्वीर कैमरे में कैद नहीं हो सकी।

दहशत का माहौल

इस मामले में महिला आईएएस अधिकारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हो सका। वहीं, पड़ोसियों ने सुरक्षा कारणों से नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर घटना की जानकारी दी। उनका कहना है कि लगातार हो रही चोरियों से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोगों में पुलिस गश्त को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

की जा रही जांच

महिला अधिकारी के घर चोरी होने की कोई शिकायत अभी तक पुलिस को प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर तथ्यों के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

-नरेश कुमार, आर्य नगर थाना प्रभारी

निजी हॉस्पिटल से 44 लाख के मेडिकल उपकरण चोरी

अस्पताल का ओटी टेक्नीशियन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अर्बन स्टेट थाना पुलिस ने सनसिटी सेक्टर-35 स्थित निजी हॉस्पिटल से करीब 44 लाख रुपये के मेडिकल सामान चोरी करने के आरोप में अस्पताल के ही एक कर्मचारी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपी को अस्पताल प्रबंधन ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया। पुलिस के अनुसार अस्पताल के सीईओ अनिल यादव पुत्र बलराम यादव की शिकायत पर वार्ड नंबर-12, गोहाना रोड, रोहतक निवासी गौतम पुत्र देशराज के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया। गौतम अस्पताल में ओटी टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत था। शिकायत में बताया गया कि 3 जुलाई को अस्पताल की ऑपरेशन थिएटर (ओटी) किट से दो महंगे इंस्ट्रूमेंट चोरी हो गए, जिनकी कुल कीमत करीब 44 लाख रुपये है। चोरी हुए सामान में दो 430 डिग्री टेलीस्कोप भी शामिल हैं, जिनमें प्रत्येक की कीमत करीब 3.85 लाख रुपये बताई गई है। अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में आरोपी गौतम 3 जुलाई की रात करीब 2 से 3 बजे के बीच ड्यूटी के दौरान अस्पताल से बाहर जाता दिखाई दिया। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने उससे पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया और चोरी किया गया सामान 5 जुलाई को दिल्ली में बेच आया था। पुलिस लाखों के सामना की बरामदगी के लिए पूछताछ कर रही है।

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने डॉ. बतरा को दी श्रद्धांजलि

रोहतक। डॉ. आदित्य बतरा की रस्म क्रिया शनिवार को एक बैंक्वेट हॉल में की गई। प्रदेश के नेताओं सहित समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ बतरा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी । पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि डॉ. आदित्य बत्रा एक कुशल और संवेदनशील चिकित्सक थे। जिन्होंने अपने चिकित्सा जीवन में हजारों मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर समाज की अमूल्य सेवा की। उनका आकस्मिक निधन केवल चिकित्सा जगत ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। शोक व्यक्त करने वालों में विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, महम के विधायक बलराम दांगी, विधायक इंदुराज नरवाल, विधायक बीबी बतरा, भाजपा जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका, भाजपा नेता राजकुमार कपूर सहित चिकित्सकों अनेक सामाजिक संस्थाओं समेत बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

घर में घुसकर तोड़फोड़ जानलेवा हमले का आरोप

- शराब के नशे में हथियार लेकर पहुंचा आरोपी, 3-4 लाख के नुकसान का दावा

महम। थाना क्षेत्र के गांव अजायब में घर में घुसकर तोड़फोड़, जानलेवा हमला और धमकी देने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़ित मंदीप ने शिकायत में बताया कि उसकी मौसी का बेटा दिनेश निवासी गांव सांगा (भिवानी) शराब के नशे में हथियार लेकर उसके घर पहुंचा और उसकी छाती पर हथियार तान दिया। जान बचाने के लिए वह पीछे के दरवाजे से भाग गया।आरोप है कि इसके बाद दिनेश ने घर के दरवाजों के शीशे, एलईडी, फ्रिज, रसोई और बाथरूम का सामान तोड़ दिया। बाहर खड़ी कार के शीशे भी क्षतिग्रस्त कर दिए और घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर भी साथ ले गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने फोन पर जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के अनुसार घटना में 3 से 4 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नई बस सेवा से ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र-छात्राओं को होगा सीधा लाभ

रूट तय करने की प्रक्रिया शुरू

कॉलेज विद्यार्थियों के लिए जल्द शुरू होंगी दो नई रोडवेज बसें, 8 से 10 गांवों को जोड़ने की योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

ग्रामीण क्षेत्रों से कॉलेज आने वाले विद्यार्थियों को जल्द ही परिवहन सुविधा में बड़ी राहत मिलने वाली है। हरियाणा रोडवेज अगले एक सप्ताह के भीतर सुबह और दोपहर के समय दो नई बसों का संचालन शुरू करने जा रहा है। इसके लिए विभाग ने रूट तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। योजना के तहत ऐसे रूट बनाए जा रहे हैं, जिनसे एक ही बस 8 से 10 गांवों को कवर कर सके और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके। यह बसें रूड़की,

मुगाण, पौलंगी, समचाना, सुनारियां, मायना, करौथा, पाकस्मा, भालौठ व किलोई से गुजरेगी। वर्तमान में जिले के कई गांवों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षण संस्थानों और कॉलेजों में पढ़ाई के लिए रोजाना शहर आते हैं। पर्याप्त बस सुविधा नहीं होने के कारण उन्हें निजी वाहनों, ओवरलोड बसों या अन्य साधनों पर निर्भर रहना पड़ता है। कई बार विद्यार्थियों को भीड़ के कारण बसों के दरवाजों पर खड़े होकर या लटककर सफर करना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। इसी समस्या को देखते हुए रोडवेज विभाग ने कॉलेज के समय को ध्यान में रखकर नई व्यवस्था तैयार की है। विभाग सुबह कॉलेज शुरू होने से पहले और दोपहर में छुट्टी के समय बसों का संचालन करेगा। इससे विद्यार्थियों को समय पर कॉलेज पहुंचने और सुरक्षित घर लौटने में सुविधा मिलेगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार दोनों बसों के रूट इस प्रकार निर्धारित किए जाएंगे कि आसपास के कई गांवों के विद्यार्थियों को एक ही सेवा का लाभ मिल सके। रूट तय करने से पहले छात्रों की संख्या, गांवों की दूरी और सड़क संपर्क का भी आकलन किया जा रहा है।

सामान्य दरों पर रहेगा किराया

रोडवेज बसों का किराया सामान्य दरों के अनुसार तय किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े। रूट और समय-सारिणी जारी होने के बाद गांवों में जानकारी दी जाएगी। विद्यार्थियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए बसों की संख्या बढ़ाने की मांग की है।

योजना तैयार हो रही

इस तरह की योजना तैयार की जा रही है। इसमें अभी समय भी लग सकता है। हालांकि जल्द ही इन बसों को चलाया जाएगा। ताकि विद्यार्थियों को आने जाने में किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

-हंसराज, संस्थान प्रबंधक, रोडवेज डिपो

मूनलाइट होटल के बाहर युवक पर जानलेवा हमला, चार पर केस

- लोहे की रॉड, डंडों और तेजधार हथियार से हमला कार में भी की तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने भिवानी चुंगी स्थित मूनलाइट होटल के बाहर एक युवक पर कथित रूप से जानलेवा हमला करने, मारपीट करने और कार में तोड़फोड़ करने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि लोहे की रॉड, डंडों और तेजधार हथियार से हमला कर शिकायतकर्ता व उसके साथी को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पुलिस के अनुसार गांव रानीला, जिला भिवानी निवासी विकास उर्फ विक्की पुत्र उम्मेद सिंह ने शिकायत दी है कि उसका भिवानी चुंगी, रोहतक पर गाड़ियों की खरीद-फरोख्त का कार्यालय है। शिकायत में बताया कि 16-17 जुलाई की रात उसने मूनलाइट होटल में कमरा बुक कराया था, जिसकी 1500 रुपये की ऑनलाइन भुगतान भी कर दी थी। जब वह होटल पहुंचा तो उसे बुक किया हुआ कमरा नहीं मिला। विकास का आरोप है कि उस समय होटल में सोनू, सुधीर, सौरभ, बॉक्सर और दो अन्य युवक मौजूद थे। उन्होंने उसे धक्का देकर होटल से बाहर निकाल दिया। इसके बाद वह वापस अपने पैसे लेने के लिए होटल गया, लेकिन होटल बंद मिला। करीब 10 मिनट बाद वह अपने साथी मनीष के साथ कार में होटल पहुंचा। आरोप है कि वहां मौजूद सौरभ, बॉक्सर और दो अन्य युवकों ने लोहे की रॉड, डंडों तथा तेजधार हथियार से उन पर हमला कर दिया। हमले में विकास और उसका साथी मनीष गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने सोनू, सुधीर, सौरभ, बॉक्सर और एक अन्य युवक के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

13.399 किलोमीटर लंबी सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव तैयार

महम की नौ सड़कों के निर्माण पर 9.39 करोड़ रुपये होंगे खर्च

कई ग्रामीण मार्गों के सुदृढ़ीकरण व चौड़ीकरण की योजना बनेगी

■ खरकड़ा गांव की पुरानी डीएचएस सड़क के सुदृढ़ीकरण पर खर्च होंगे 442.86 लाख रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महम विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में नौ सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इन परियोजनाओं पर करीब 9.39 करोड़ रुपये (939.50 लाख रुपये) खर्च किए जाएंगे। प्रस्ताव के अनुसार कुल 13.399 किलोमीटर लंबाई की सड़कों का निर्माण, सुदृढ़ीकरण, चौड़ीकरण तथा सीमेंट कंक्रीट ब्लॉक बिछाने जैसे कार्य किए जाएंगे। इससे क्षेत्र के अनेक गांवों की सड़क संपर्क व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। प्रस्तावित कार्यों में सबसे बड़ी परियोजना खरकड़ा गांव की पुरानी डीएचएस सड़क के सुदृढ़ीकरण की है। 4.350 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर 442.86 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा खरक जट्टान गांव में 3.500 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए 239.02 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। सूची के अनुसार बलंभा गांव में अस्पताल से बाईपास तक 2.277 किलोमीटर सड़क के निर्माण पर 122.18 लाख रुपये खर्च होंगे।

भराण स्कूल एप्रोच रोड पर बिछेंगी इंटरलॉकिंग टाइलें

इसी प्रकार भराण स्कूल एप्रोच रोड पर 80 एमएम इंटरलॉकिंग ब्लॉक दोबारा बिछाने के लिए 22.70 लाख रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। वहीं एनएच-71 स चिड़ी होते हुए घरौठी तक नई सड़क के निर्माण के लिए 29.87 लाख रुपये का अनुमान तैयार किया गया है। हालांकि इस परियोजना के सामने यह भी उल्लेख किया गया है कि मामला न्यायालय में लंबित होने के कारण कार्य प्रभावित है। दस्तावेज में अधिकांश परियोजनाओं के लिए अंतिम उपचार वर्ष 2014 से 2021 के बीच दर्शाया गया है, जिसके आधार पर इन सड़कों के पुनर्निर्माण या सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता को चिन्हित किया गया है।

कई ग्रामीण सड़कों के भी बहुरेंगे दिन

बलंभा रेलवे स्टेशन रोड के 1.80 किलोमीटर हिस्से के सुदृढ़ीकरण के लिए 55.50 लाख रुपये प्रस्तावित हैं। इसके अलावा कई छोटी लेकिन महत्वपूर्ण ग्रामीण सड़कों को भी योजना में शामिल किया गया है। इनमें निडाना से समर गोपालपुर कलां मार्ग पर सीसी ब्लॉक दोबारा बिछाने के लिए 15.81 लाख रुपये, खरकरा से भराण मार्ग के सुधार के लिए 8.80 लाख रुपये तथा बहु अकबरपुर से समर गोपालपुर मार्ग के एक हिस्से के सुधार के लिए 2.76 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

श्रीनगर कॉलोनी की तीन सड़कों का निर्माण शुरू
विधायक भारत भूषण बतरा ने दिलाई 36 लाख की मंजूरी

रोहतक। श्रीनगर कॉलोनी के लोगों को जल्द ही जर्जर सड़कों और जलभराव की समस्या से राहत मिलने वाली है। कॉलोनी की तीन प्रमुख सड़कों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इसके लिए विधायक भारत भूषण बतरा ने वहंगी योजना के तहत अपने विधायक निधि से 36 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करवाई थी। लंबे समय से तीनों सड़कें बदहाल थी। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। विधायक भारत भूषण बतरा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वहंगी योजना के तहत 36 लाख रुपये की ग्रांट स्वीकृत करवाई, जिसके बाद अब सड़क निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है। निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक भारत भूषण बतरा ने बताया कि तीनों सड़कों का निर्माण गुणवत्ता के साथ कराया जाएगा। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को सड़क का लेवल सही रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में जलभराव की समस्या न हो। इसके अलावा क्षेत्र में सीवरों की सफाई और ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी जल्द कार्य शुरू किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण शुरू होने पर विधायक का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि लंबे समय से चली आ रही उनकी समस्या अब पूरी तरह समाप्त हो जाएगी।

रोहतक। प्रमुख सड़कों का निर्माण कार्य शुरू करवाते विधायक भारत भूषण बतरा। फोटो : हरिभूमि

मेरा शहर मेरी समस्या
चिन्योट कॉलोनी से सेक्टर-6

एलिवेटेड ट्रैक के साथ बनने वाली सड़क अधर में लटकी

बजरंग भवन फाटक से सेक्टर-5 तक निर्माण रुका, शहरवासी परेशान

रोहतक। जगह-जगह पड़ी रोडियां, धूल और उबड़-खाबड़ रास्ते से बढ़ी मुश्किल।

■ 14 कॉलोनियों के लोगों ने जल्द निर्माण पूरा कराने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक-पानीपत रेलवे लाइन पर 315 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए 3.8 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रेलवे ट्रैक के साथ बनाई जा रही समानांतर सड़क का निर्माण कार्य बीच में ही अटक गया है। चिन्योट कॉलोनी से सेक्टर-6 तक प्रस्तावित 3,790 मीटर लंबी और 5.5 मीटर चौड़ी सड़क का अधिकांश हिस्सा अभी अधूरा पड़ा है। खासकर बजरंग भवन रेलवे फाटक से सेक्टर-5 तक निर्माण कार्य रुका हुआ है, जिससे आसपास के लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क का उद्देश्य शहर की कई कॉलोनियों को बेहतर संपर्क देना और ट्रैफिक का दबाव कम करना था। योजना पूरी होने पर गांधी कैंप, झंग कॉलोनी, मानसरोवर कॉलोनी, सुभाष नगर, किशनपुरा, मॉडल टाउन, लक्ष्मी नगर, कबीर कॉलोनी, विशाल नगर, सेक्टर-5, सेक्टर-6 सहित करीब 14 कॉलोनियों के 50 हजार से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलना था। साथ ही इस मार्ग पर नए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और बाजारों के विकसित होने की भी संभावना जताई जा रही थी। लेकिन फिलहाल सड़क निर्माण रुकने से हालात इसके बिल्कुल विपरीत हैं। बजरंग भवन फाटक से सेक्टर-5 तक जगह-जगह निर्माण सामग्री और रोडियां पड़ी हुई हैं। सड़क पूरी तरह समतल नहीं होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। बारिश के दिनों में गड्ढों में पानी भर जाता है, जबकि धूप में उड़ने वाली धूल से आसपास के रिहायशी क्षेत्रों के लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।

अधूरे निर्माण के कारण बनी है समस्या

यह क्षेत्र पूरी तरह रिहायशी होने के कारण यहां सुबह-शाम बड़ी संख्या में लोग पैदल सैर करने निकलते हैं। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी इसी रास्ते का उपयोग करते हैं। अधूरे निर्माण के कारण दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई महीनों से निर्माण कार्य ठप पड़ा है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से इसे दोबारा शुरू कराने के लिए कोई ठोस प्रयास दिखाई नहीं दे रहे।

सड़क निर्माण पूरा होने से आवागमन होगा आसान

सड़क निर्माण पूरा होने से न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। फिलहाल लोगों की मांग है कि निर्माण कार्य में आ रही बाधाओं को दूर कर बजरंग भवन फाटक से सेक्टर-5 तक रुके हुए हिस्से का काम प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए, ताकि लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान हो सके।
-कंचन खुराना, पार्षद, वार्ड-14

अधूरा काम अब परेशानी का कारण बन गया

सड़क बनने से लोगों को काफी सुविधा मिलने की उम्मीद थी, लेकिन अधूरा काम अब परेशानी का कारण बन गया है। जगह-जगह रोडियां पड़ी हैं और वाहन निकालना मुश्किल हो गया है। प्रशासन को जल्द निर्माण शुरू कराना चाहिए। -जसबीर कुमार

घरों के सामने दिनभर उड़ती है धूल, सांस लेने में दिक्कत

हमारे घरों के सामने दिनभर धूल उड़ती रहती है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सांस लेने में दिक्कत होती है। अगर काम रुकना ही था तो कम से कम रास्ते को समतल कर देना चाहिए था। -मनोहर लाल

प्रतिदिन करना पड़ रहा जाम व दिक्कतों का सामना

यह सड़क 14 कॉलोनियों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। निर्माण कार्य रुकने से रोजाना जाम और असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित एजेंसी और प्रशासन को इसकी समय-सीमा तय कर जल्द काम पूरा करना चाहिए। -पवन कुमार

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

जेएलएन टूटी, 50 एकड़ तक फैला पानी धामड़ व रिठाल के किसानों की सांसें अटकीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शनिवार सुबह रोहतक जिले के धामड़ और रिठाल गांव के बीच उस समय हड़कंप मच गया, जब जेएलएन (जवाहर लाल नेहरू) नहर की पटरी अचानक टूट गई। देखते ही देखते तेज बहाव के साथ नहर का पानी खेतों की ओर फैलने लगा और कुछ ही समय में करीब 45 से 50 एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई। खेतों में खड़ी फसलें पानी में डूबने लगीं तो किसानों की चिंता बढ़ गई। ग्रामीणों ने तुरंत प्रशासन को सूचना दी, लेकिन उनके अनुसार मौके पर राहत दल पहुंचने में देरी हुई। इसके बाद गांव के लोगों ने खुद मोर्चा संभालते हुए प्रशासन के साथ मिलकर नहर की टूटी पटरी को बांधने का काम शुरू किया।

राहत कार्य के तीन घंटे के बाद भी पूरी तरह रिसाव नहीं हो सका बंद

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार सुबह करीब 6 बजे ग्रामीणों को नहर टूटने की जानकारी मिली। उस समय तेज बहाव के साथ पानी खेतों में घुस रहा था। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और प्रशासन को अवगत कराया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते नहर का पानी नहीं रोका जाता तो नुकसान और भी अधिक हो सकता था। प्रशासन के मौके पर पहुंचने के बाद सबसे पहले नहर के पीछे से पानी का प्रवाह कम कराने की व्यवस्था की गई, ताकि बहाव पर नियंत्रण पाया जा सके। इसके बाद जेसीबी मशीनों और मिट्टी की सहायता से टूटी पटरी को बंद करने का कार्य शुरू किया गया। ग्रामीण भी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से मिट्टी लाकर अधिकारियों की मदद करते रहे। हालांकि राहत कार्य शुरू होने के करीब तीन घंटे बाद भी नहर से पानी का रिसाव पूरी तरह बंद नहीं हो सका। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि नहर की पटरी को बंद करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। पानी के बहाव को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। साथ ही नुकसान का आकलन भी किया जाएगा

राजकीय महाविद्यालय महम में एमए इतिहास की कक्षाएं प्रारंभ होने से पहले निरीक्षण समिति ने किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

शैक्षणिक सत्र 2026–27 से राजकीय महाविद्यालय महम में एम.ए. इतिहास प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने के लिए संबद्धता प्रदान करने के को निरीक्षण समिति ने महाविद्यालय का दौरा किया। निरीक्षण समिति का नेतृत्व डॉ. प्रद्यूमन सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय रोहतक ने किया। समिति के अन्य सदस्यों में प्रो. डॉ. सुभाष बल्हारा इतिहास विभाग, डॉ. नरेश चन्द्र एसोसिएट प्रोफेसर इतिहास शामिल रहे। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मीनू नैन व इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार ने समिति का स्वागत करते हुए संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं उपलब्ध संसाधनों की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान समिति ने महाविद्यालय में उपलब्ध आधारभूत संरचना, इतिहास विभाग की संकाय व्यवस्था, पुस्तकालय में उपलब्ध इतिहास विषय से संबंधित पुस्तकों एवं शोध पत्रिकाओं, स्मार्ट बोर्ड युक्त कक्षाओं तथा अन्य शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक संसाधनों का अवलोकन किया। एम.ए. इतिहास शुरू होने से विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

जनवादी महिला समिति ने की महिला आरक्षण बिल लागू करने की मांग

रोहतक। दिल्ली पुलिस द्वारा संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 20 जुलाई को महिला आरक्षण कानून को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर प्रस्तावित शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। पुलिस के इस निर्णय का महिला संगठनों ने विरोध करते हुए प्रदर्शन करने की अनुमति मांगी।

जनवादी महिला समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगमति सांगवान ने कहा कि महिला आरक्षण कानून संसद द्वारा पारित हुए लगभग तीन वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे अभी तक लागू नहीं किया। सरकार द्वारा इसे जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया से जोड़कर लगातार टालने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे देश की महिलाओं में भारी निराशा और असंतोष है।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया ने महम न्यायिक परिसर का किया दौरा

महम। जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया ने न्यायिक परिसर महम का दौरा किया। वहां पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉक्टर तरुण खान, अमित श्योराण एसडीजेएम भी उपस्थित रहे। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा चलाए जा रहे पौधरोपण अभियान के तहत पौधारोपण करके महम कोर्ट के सभी कर्मचारी, बार के सभी अधिवक्ताओं तथा आम जनता से यह अपील की कि वह ज्यादा से ज्यादा मात्रा में आप पौधारोपण करें। उन्होंने कहा कि आप ज्यादा से ज्यादा मात्रा में अपने सुप्रीम कोर्ट के चिन्हित मुकदमों को मध्यस्थता के द्वारा समझौता करें तथा किसी भी व्यक्ति को किसी भी तरह की कोई भी आवश्यकता है तो वह सब डिविजनल लीगल सर्विस कमेटी महम के फ्रंट ऑफिस में आकर संपर्क कर सकता है ।

आरकेपी स्कूल के विद्यार्थियों ने साप्ताहिक गतिविधियों में सुंदर चित्र बनाकर दिखाया हुनर

महम। रामकृष्ण परमहंस वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना में शनिवार को साप्ताहिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को पहचानना तथा उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना था। इस गतिविधि में कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़ -चढ़कर भाग लिया। पहली से दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों ने 'रेनी डे' विषय पर फिंगर पेंटिंग बनाई। तीसरी से पाँचवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने 'मानसून दृश्य' विषय पर चित्र बनाए। प्रधानाचार्या गीता राठी ने कहा कि हर बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। आवश्यकता होती है, उसे सही दिशा देने और संवारने की। स्कूल चेयरमैन रवींद्र दांगी ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ये गतिविधियाँ बच्चों की तार्किक सोच और स्मृति कौशल को विकसित करती हैं।

बच्चों ने मिट्टी को दिए रचनात्मक आकार

रोहतक। एचएम पब्लिक स्कूल द्वारा आयोजित दो-दिवसीय 'मिट्टी कला कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए एक यादगार अनुभव बन गई। कार्यशाला में नन्हे विद्यार्थियों ने उत्साह, कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच का अद्भुत परिचय देते हुए मिट्टी से आकर्षक खिलौने, सजावटी वस्तुएं एवं कलात्मक आकृतियां तैयार कीं। कार्यशाला का संचालन प्रसिद्ध पॉटरी प्रशिक्षिका सुमन तथा दिनेश ने किया। विद्यालय के एमडी नरेश बल्हारा व उप प्राचार्य सोनिया रानी ने कहा कि मिट्टी से जुड़ने वाली गतिविधियां बच्चों में धैर्य, एकाग्रता, सृजनात्मकता, सूक्ष्म अवलोकन तथा हाथों के कौशल का विकास करती हैं।

राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करें अधिकारी : सचिन गुप्ता

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि राजस्व विभाग से जुड़े कार्य सीधे आमजन के हितों से जुड़े हैं, इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी राजस्व मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निपटारा सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि इंतकाल, जमाबंदी, तकसीम, गिरदावरी, राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों तथा नागरिक सेवाओं से संबंधित लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। सचिन गुप्ता स्थानीय कैंप कार्यालय में राजस्व विभाग की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। सचिन गुप्ता ने इंतकालों की लंबित स्थिति, जमाबंदी कार्य, भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण, राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों, भू-अधिग्रहण, नागरिक सेवाओं, शिकायत निवारण, फार्मर रजिस्ट्री, एग्री स्टैक, आधुनिक रिकॉर्ड रूम, पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली तथा विभिन्न आईटी आधारित सेवाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे सरकार की हिदायतों अनुसार नागरिकों को समयबद्ध राजस्व सेवाएं उपलब्ध करवाये। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने सभी राजस्व अधिकारियों से कहा कि वे टीम भावना के साथ कार्य करते हुए विभागीय लक्ष्यों को समय पर पूरा करें तथा आमजन को सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता रखें।उपायुक्त ने मुख्यमंत्री विंडो, जनसंवाद, सीपीग्राम्स एवं अन्य शिकायत निवारण प्रणालियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध समाधान किया जाए।बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, मुआवजा वितरण, सरकारी भूमि, कस्टोडियन भूमि, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तथा अन्य राजस्व संबंधी विषयों की भी समीक्षा की गई। बैठक में सांपला की उपमंडलाधीश अंकिता पुवार, रोहतक के उपमंडलाधीश आशीष कुमार, महम के उपमंडलाधीश विपिन कुमार, जिला राजस्व अधिकारी मनबीर सिंह, तहसीलदार यशपाल शर्मा, सांपला के तहसीलदार गुलाब सिंह, कलानौर के तहसीलदार दिनेश कुमार, महम के तहसीलदार रवि कुमार राहुल बूरा, रघुबीर सिंह व बिजेंद्र सिंहआदि रहे।

महिला एवं बाल विकास विभाग निर्धारित कार्यक्रम अनुसार बच्चों का करवाए टीकाकरण : उपायुक्त

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने महिला एवं बाल विकास विभाग की अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लक्षित आयु वर्ग के सभी बच्चों का आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से टीकाकरण करवाना सुनिश्चित करें। विभाग नागरिकों को पोषक आहार बारे भी जागरूक करें ताकि बच्चों एवं महिलाओं में पोषण की कमी न हो। सचिन गुप्ता स्थानीय कैंप कार्यालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बैठक में पोषण, महिला एवं बाल सुरक्षा, किशोरी सशक्तिकरण, बाल संरक्षण, बाल विवाह रोकथाम तथा महिला कल्याण से संबंधित कार्यों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला के 1004 आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। पोषण ट्रैकर पर 65,466 बच्चों, 6,451 गर्भवती महिलाओं तथा 5,495 धात्री महिलाओं का डाटा दर्ज किया गया। वृद्धि निगरानी के अंतर्गत बच्चों का मापन किया गया।महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई तथा 12283 महिलाओं को कानूनी परामर्श उपलब्ध कराया गया।

एसआईआर प्रक्रिया में छूटे हुए मतदाताओं को ट्रेस करें संबंधित अधिकारी : आशीष कुमार

रोहतक। उपमंडल अधिकारी रोहतक आशीष कुमार ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए सुपरवाइजर को अभियान को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। एसडीएम आशीष कुमार ने इस संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि एसआईआर अभियान के दौरान जिन मतदाताओं का अभी तक सत्यापन नहीं हो पाया है अथवा जो किसी कारणवश नहीं मिल सके हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पुनः ट्रेस किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता का सत्यापन सुनिश्चित करना निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और मतदाता सूची की शुद्धता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि एएसडीडी श्रेणी में शामिल सभी मतदाताओं का दोबारा गहन सत्यापन किया जाए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से प्रभावित न हो और अपात्र प्रविष्टियों को नियमानुसार चिन्हित किया जा सके। एसडीएम आशीष कुमार ने कहा कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची में जिन व्यक्तियों के नाम दर्ज नहीं हैं, उन्हें भी पुनः खोजने और उनका सत्यापन करने का कार्य गंभीरता से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची को पूर्णतः सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक स्तर पर सावधानीपूर्वक कार्य किया जाए। बैठक में एसआईआर अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करें।

■ वर्ष 2002 की मतदाता सूची में जिन व्यक्तियों के नाम दर्ज नहीं हैं, उन्हें भी पुन: खोजने और उनका सत्यापन करने का कार्य गंभीरता से किया जाए : एसडीएम

इनसो का संगठन विस्तार, विशाल दलाल जिला प्रधान और विशेष अहलावत बने एमडीयू अध्यक्ष

रोहतक। इंडियन नेशनल स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन (इनसो) ने अपनी नई नियुक्तियों की घोषणा की है। इनसो के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मलिक ने बताया कि जजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला से विचार-विमर्श के बाद यह विस्तार किया गया है। इसी कड़ी में रोहतक जिला और एमडीयू में बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। विशाल दलाल को इनसो रोहतक का जिला अध्यक्ष और विशेष अहलावत को एमडीयू इनसो का प्रधान नियुक्त किया गया है।

वांगचुक को जंतर-मंतर पर धरने से जबरदस्ती उठाना लोकतंत्र की हत्या : अर्जुन चौटाला

महम। दिल्ली जंतर - मंतर जाते हुए रानियां विधायक कुछ देर के लिए महम बाईपास पर रुके। उन्होंने जंतर - मंतर धरने और युवाओं के मुद्दों को लेकर कहा कि वे जंतर मंतर पर जा रहे हैं और सोनम वांगचुक द्वारा किए जा रहे अनशन को अपना और पार्टी का समर्थन देंगे। उन्होंने कहा कि अचानक से सोनम वांगचुक को जबरदस्ती उठाना और उनका अनशन तुड़वाना लोकतंत की हत्या है। उन्होंने कहा कि इस तरह से आंदोलन टूटते या कमजोर नहीं होते बल्कि मजबूत होते हैं। अर्जुन चौटाला ने कहा कि आज भी चौधरी देवीलाल से महम के लोगों का काफी लगाव है। इस अवसर पर इनेलो प्रवक्ता एवं पूर्व हलका अध्यक्ष संदीप नेहरा निन्दाना, लीगल सैल प्रदेश महासचिव विपिन बल्हारा, महंत मन्नू खरकड़ा, एडवोकेट दीक्षांत सिवाच, अमरजीत, मनजीत, पवन सिवाच, अनूप सेमिन, दीपक राठी, रामेहर भैनी, कृष्ण सिवाच रहे।

दोनों पैरों से पैरालाइज होने के बावजूद भी हौसले बुलंद

जसपाल राणा मेमोरियल कप में छाई रोहतक की पैरा-निशानेबाज

कविता रानी ने देहरादून में जीते 3 पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अभिनंदन शूटिंग अकादमी रोहतक की होनहार दिव्यांग निशानेबाज कविता रानी ने देहरादून में आयोजित 'जसपाल राणा मेमोरियल कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए हैं। दोनों पैरों से पैरालाइज होने के बावजूद कविता ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से 10 मीटर एयर राइफल और 10 मीटर एयर राइफल प्रोन इवेंट में दो स्वर्ण तथा 50 मीटर राइफल प्रोन में एक रजत पदक हासिल किया। पीजीआईएमएस रोहतक में कार्यरत कविता, कोच संदीप नेहरा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। इससे पहले भी वह स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में 4 स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उनकी यह ऐतिहासिक सफलता देश के लाखों खिलाड़ियों और दिव्यांगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अकादमी परिवार ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उपलब्धियां

- 2021 जोनल पैरा शूटिंग प्रतियोगिता में रजत पदक
- 2021 राष्ट्रीय पैरा शूटिंग में पांचवां स्थान
- 2022 जोनल पैरा शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता
- 2022 राष्ट्रीय पैरा शूटिंग प्रतियोगिता में छठा स्थान

10 मीटर एयर राइफल और 10 मीटर एयर राइफल प्रोन में दो स्वर्ण तथा 50 मीटर राइफल प्रोन में एक रजत पदक

पोलियो ने पैर छीने पर दृढ़ इरादों से छू लिया आसमां

जब जीवन अप्रत्याशित रूप से सबसे बड़ी चुनौती पेश करता है, तो कुछ लोग टूट जाते हैं या कुछ उसे ही अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लेते हैं। रोहतक की कविता पांचाल ने अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से यह साबित कर दिया है कि शारीरिक अक्षमता केवल शब्द है। कठोर परिश्रम तथा मजबूत इरादों से हर लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। कविता की जीवन यात्रा तब शुरू हुई जब वह महज ढाई साल की थीं। पोलियो की चपेट में आने से उनके दोनों पैरों ने काम करना बंद कर दिया था, लेकिन इस बड़ी चुनौती ने उन्हें कमजोर करने के बजाय और मजबूत बना दिया। अपनी कहानी बताते हुए कविता ने कहा कि उनका पहला खेल तैराकी था। वह तैराकी करती थीं और उन्होंने इसमें 15 नेशनल मेडल जीते, जिनमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक शामिल थे। हालांकि, कुछ अपरिहार्य कारणों से उन्हें तैराकी छोड़नी पड़ी, पर उनके अंदर की खिलाड़ी और जीतने की भूख शांत नहीं हुई।

2021 में तैराकी छोड़ नई राह शूटिंग पर चलीं

कविता ने साल 2021 में तैराकी के बजाय निशानेबाजी (शूटिंग) का एक नया सफर शुरू किया। यह खेल न केवल महंगा है बल्कि इसके लिए अत्यधिक ध्यान और नियंत्रण की आवश्यकता होती है। पीजीआई रोहतक में ग्रुप-डी पद पर कार्यरत कविता नौकरी के साथ-साथ इस महंगे खेल के लिए समय और संसाधन जुटाने में लगी रहीं। उन्होंने ओमैक्स सिटी स्थित अभिनंदन शूटिंग अकादमी में कोच संदीप नेहरा के मार्गदर्शन में अभ्यास करना शुरू किया। कोच ने उन्हें तकनीकी और मानसिक रूप से मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पति बने ढाल

कविता ने बताया कि शूटिंग की ट्रेनिंग के दौरान उन्हें आने-जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। उनके पति दिनेश कुमार हर समय ढाल बनकर खड़े रहते हैं और उनके इस सफर में पूरा सहयोग दे रहे हैं।

एशिया चैम्पियन एमएमए टाइटल फाइट

म्हारे संग्राम सिंह और पाकिस्तान के आबिद अली के बीच मुकाबला आज

रोहतक। भारत और पाकिस्तान के बीच खेल के मैदान पर होने वाली जंग हमेशा से रोमांचक रही है। इसी कड़ी में रविवार शाम 7 बजे एशिया चैम्पियन एमएमए (मिक्सड मार्शल आर्ट्स) टाइटल फाइट में भारत के आइकन फाइटर संग्राम सिंह और पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली के बीच ब्लॉकबस्टर मुकाबला होने जा रहा है।

फेस-ऑफ में बढ़ा रोमांच, वजन को लेकर विवाद

मुकाबले से पहले हुए फेस-ऑफ में दोनों देशों के फाइटरों के अलग-अलग स्टांस ने दर्शकों का खूब ध्यान खींचा। जहाँ घोषणा होते ही दो बार के कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैम्पियन संग्राम सिंह ने आर्थोडॉक्स स्टांस के साथ बॉक्सिंग का एक्शन किया। इस दौरान पाकिस्तानी फाइटर के वजन को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने आयोजकों के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि संग्राम सिंह का वजन तीन बार चेक किया गया है, तो आबिद अली का भी वजन दोबारा चेक होना चाहिए क्योंकि वह निर्धारित 84 किलो से काफी भारी लग रहे हैं। हालांकि, स्ट्राइक-एमएमए के सीईओ मोहम्मद हाकिम बिन लुकमान अब्दुल्ला ने इस विरोध को खारिज कर दिया। फेस-ऑफ के दौरान संग्राम सिंह बेहद शांत और विनम्र नजर आए। उन्होंने कहा, खेल हमें कभी हार न मानना सिखाता है। संग्राम ने बताया कि वह पहले भी एक पाकिस्तानी फाइटर को हरा चुके हैं और अब तक 3 एमएमए फाइट जीत चुके हैं। इस चौथी फाइट को वह पूरी योजना और समझदारी से लड़ेंगे। दूसरी ओर, आबिद अली ने बड़बोला रुख अपनाते हुए कहा कि रविवार को उन्हीं का दिन होगा।

न्यूज डायरी

अर्नव हेड बॉय और शुभकामना हेड गर्ल बनी

रोहतक। जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल में सत्र 2026-27 के लिए छात्र परिषद (स्टूडेंट काउंसिल) के निवेशाचार एवं शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामय समारोह में विद्यालय के निदेशक विक्रांत मायना, सान्या मायना, सह-निदेशक डॉ. अमन अग्रवाल, प्राचार्या डॉ. श्रुति शर्मा और हेडमिस्ट्रेस अनामिका बल्हारा उपस्थित रहे। अतिथियों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बैज व सैश पहनाकर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर कक्षा 12वीं के अर्नव वर्मा को हेड बॉय और शुभकामना को हेड गर्ल चुना गया। वहीं अद्विक को वाइस हेड बॉय और एंजेलिना सेठी को वाइस हेड गर्ल का दायित्व मिला। खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए कैफ को स्पोर्ट्स कैप्टन, ऋषभ को वाइस स्पोर्ट्स कैप्टन, मोहम्मद आसिफ को कल्चरल कैप्टन तथा जूनी को वाइस कल्चरल कैप्टन नियुक्त किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

नन्हें कलाकारों ने बिखेरा प्रतिभा का रंग

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में नर्सरी, केजी और कक्षा तीसरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए 15 से 18 जुलाई तक 'रॉक एंड रोल' प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया। इस चार दिवसीय आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, मंच प्रस्तुति, ताल-लय और रचनात्मकता का विकास करना था। प्रतियोगिता में नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी मनमोहक वेशभूषा में गीतों की धुनों पर थिरकते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बच्चों के कमाल के उत्साह, ऊर्जा और आत्मविश्वास ने वहां मौजूद सभी दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में मनाली, सराहना, मेधा, पूजा, सीमा, कनिका चुघ, सीमा अत्री, किरण कुण्डू और अपूर्वा ने निर्णायक मंडल की भूमिका बखूबी निभाई।

द आर्यन ग्लोबल में बच्चों ने बनाए पोस्टर

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न क्लब गतिविधियों का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान आर्ट एंड क्राफ्ट, कलिनरी, डांस, ईको, विज्ञान, रामानुजन, हेरिटेज, थिएटर, लीडर्स, साइबर, युवा और प्रहरी क्लब के अंतर्गत विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आयोजन में मुख्य रूप से बोतल सजावट, सैंडविच मेकिंग, बॉलीवुड फ्री-स्टाइल डांस और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं आकर्षण का केंद्र रहीं। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, स्वास्थ्य और टीमवर्क का प्रभावशाली संदेश दिया।
विद्यालय के प्रधानाचार्य राजकुमार खन्ना ने प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाती हैं। उन्होंने बच्चों को भविष्य में भी इसी लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ।

बास्केटबॉल में किलोई की टीम रही अव्वल

रोहतक। सनसिटी सेक्टर 36 स्थित जेपी इंटरनेशनल स्कूल में ओपन गर्ल्स बास्केटबॉल टूर्नामेंट का शानदार आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित टीमों ने हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। रोमांचक मुकाबलों के बाद किलोई (रोहतक) की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर खिताबी जीत दर्ज की। वहीं, जुलाना (जींद) की टीम दूसरे और मेजबान जे. पी. इंटरनेशनल स्कूल की टीम तीसरे स्थान पर रही। इस अवसर पर दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स काउंसिल के पूर्व स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर रक्षित हुड्डा, कोच सुशील कुमार, राजेश, ओमबीर और कोच नवीन कुमारी विशेष रूप से मौजूद रहे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि व स्कूल प्रबंधन द्वारा विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

प्रियांश ने हासिल किए 99.15 परसेंटाइल

रोहतक। आंबेडकर चौक स्थित मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने हाल ही में घोषित नीट परीक्षा के नतीजों में अपनी सफलता का परचम लहराया है। स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. अरुणा तनेजा ने बताया कि छात्र प्रियांश ने 99.15 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसके अलावा गर्व ने 97.54, कृष ने 94.78 और अविशि ने 92.98 परसेंटाइल हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर मॉडल एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष व उपायुक्त सचिन गुप्ता, उपाध्यक्ष रामअवतार गुप्ता तथा सचिव राजेश कुमार सहगल ने सफल विद्यार्थियों को बधाई संदेश भेजकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

नीट में प्रतीक ने हासिल किए 604 अंक

रोहतक। केवीएम पब्लिक स्कूल के मेधावी छात्र प्रतीक ने नीट-2026 परीक्षा में 604 अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। प्रतीक की इस उत्कृष्ट उपलब्धि से विद्यालय प्रबंधन, अध्यापकों और अभिभावकों में भारी हर्ष का माहौल है। प्रतीक ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासित अध्ययन, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन तथा माता-पिता के अटूट सहयोग को दिया है।

इंटर्नशिप कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सीखे नैतिकता, संस्कार एवं सेवा के मूलमंत्र

सफल वैज्ञानिक बनने के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ मानवीय मूल्य भी जरूरी: बहन पूनम

रोहतक। मुख्य वक्ता को सम्मानित करते प्राचार्य प्रो सुरेंद्र सांगवान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 24 दिवसीय वर्मीकल्चर, ऑर्गेनिक वेस्ट मैनेजमेंट एवं सस्टेनेबल सॉयल हेल्थ कौशल आधारित इंटर्नशिप कार्यक्रम के 15वें दिन आध्यात्मिक व प्रेरणादायी सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र सांगवान ने की। मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त प्राचार्या सुनीता खांटा ने विद्यार्थियों को सत्य, सेवा और ईमानदारी अपनाने का संदेश देते हुए नैतिकता को सभ्य समाज की आधारशिला बताया। वहीं, विशिष्ट अतिथि एवं समाज सुधारक बहन पूनम ने कहा कि सफलता का वास्तविक मार्ग उत्तम चरित्र, आत्मविश्वास और प्रत्येक कार्य में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। एक अन्य विशिष्ट अतिथि बहन प्रवेश ने युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ समाज निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। सत्र में विद्यार्थियों ने सीखा कि सफल वैज्ञानिक बनने के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ मानवीय मूल्य भी जरूरी हैं। कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता बिरवाल के मार्गदर्शन व डॉ. पिंकी देसवाल के समन्वय में हुआ। इस दौरान डॉ. दीक्षा, डॉ. शैली, डॉ. हरिओम, डॉ. देवेंद्र सहित कई शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे। प्राचार्य ने अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

एचडी स्कूल में विद्यार्थियों ने लगाई गृह कार्य की प्रदर्शनी

बच्चों ने साइंस और सामाजिक विज्ञान के मॉडल प्रदर्शित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। बच्चों द्वारा लगाई गई गृहकार्य प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं प्रिंसिपल।

खेड़ी महम के एचडी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में शनिवार को साइंस व सामाजिक विज्ञान विषयों की ग्रीष्मावकाश गृहकार्य प्रदर्शनी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने बताया कि कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने के लिए इस बार मॉडल, चार्ट, वॉल हैंगिंग, मॉडल (वर्किंग, नान-वर्किंग), परियोजनाएं गर्मियों की छुट्टियों में गृहकार्य के रूप में दी गई थी। विद्यार्थियों ने शिक्षकों की सहायता से सभी विषयों के गृहकार्य का संयोजन कर अपनी कलात्मक व सृजनात्मक प्रतिभाओं को दर्शाते हुए सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यालय निदेशक कुलवंत नहरा ने कहा कि हम मानते हैं कि इस तरह की गतिविधियां छात्रों के समग्र विकास के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। सभी गतिविधियों का अवलोकन निर्णायक मंडल सदस्य राकेश कुमार, विकास, राजेश दूहन ,राजू दांगी, दुर्गेश पांचाल,निधि, हितेश, धर्मवीर , प्रतिभा, महिमा ने किया। प्राचार्या शालिनी गुप्ता ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

नीट यूजी परीक्षा

जॉन वेस्ले के भावेश ने लहराया परचम

रोहतक। गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट के होनहार छात्र भावेश कुमार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) में शानदार सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। भावेश ने परीक्षा में 720 में से 584 (81%) अंक प्राप्त कर अपनी कड़ी मेहनत और असाधारण प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे विद्यालय और छात्र के परिवार में खुशी का माहौल है।

■ 720 में से 584 (81%) अंक प्राप्त किए

प्राचार्या ने दी बधाई

इस विशेष अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या डॉ. ममता मलिक ने भावेश कुमार को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि भावेश की सफलता उसकी एकाग्रता, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। स्कूल सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।इस गौरवमयी उपलब्धि पर विद्यालय के डायरेक्टर सुरेंद्र मलिक और समस्त स्टाफ ने भावेश व उनके परिजनों को बधाई दी।

अनंत ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में 99 परसेंटाइल अंक हासिल कर मनवाया अपनी प्रतिभा का लोहा

रोहतक। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रोहतक के तीन होनहार छात्रों ने देश की प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार सफलता हासिल कर स्कूल और जिले का नाम रोशन किया है। विद्यालय के छात्र अनंत मलिक ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में 99 परसेंटाइल अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। वहीं, अक्षित हुड्डा ने नीट परीक्षा में 604 अंकों के साथ उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर मेडिकल कॉलेज में अपनी सीट पक्की की। इसी कड़ी में, छात्रा काव्यी राठी ने 99 परसेंटाइल के साथ प्रतिष्ठित इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर विमेन दिल्ली में अपना चयन सुनिश्चित कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर विद्यालय परिसर में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रधानाचार्या बबीता व समस्त स्टाफ ने विजेताओं और उनके अभिभावकों को फूल-मालाएं पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। प्राचार्या ने इसे शिक्षकों के मार्गदर्शन और बच्चों की कड़ी मेहनत का परिणाम बताते हुए गणित और विज्ञान विषयों के प्राध्यापकों को विशेष बधाई दी। इस तिहरी सफलता से पूरे रोहतक में जश्न का माहौल है।

नीट में आईबी विद्यालय की पूर्व छात्राओं मान्शा और मन्नत ने रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ मान्शा गर्ग ने ऑल इंडिया रैंक 17 और मन्नत ने ऑल इंडिया रैंक 3205 हासिल की

आईबी विद्यालय की दो पूर्व छात्राओं ने नीट यूजी 2026 परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर संस्थान और जिले का नाम रोशन किया है। विद्यालय की होनहार छात्रा मान्शा गर्ग ने ऑल इंडिया रैंक 17 प्राप्त कर 'हरियाणा फीमेल टॉपर' बनने का गौरव हासिल किया है। वहीं, एक और मेधावी पूर्व छात्रा मन्नत ने ऑल इंडिया रैंक 3205 अर्जित कर उल्लेखनीय सफलता पाई है।छात्राओं की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर आई.बी. विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य और शिक्षक वर्ग ने खुशी जाहिर करते हुए दोनों को बधाई व शुभकामनाएं दीं। प्रबंधन ने कहा कि यह सफलता छात्राओं की कड़ी मेहनत की सार्थकता को दर्शाती है। यह गौरवमयी परिणाम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। पूरा विद्यालय परिवार दोनों बेटियों के उज्ज्वल भविष्य और सफल चिकित्सा करियर की मंगलकामना करता है।

राजकीय महिला कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य पर दिया व्याख्यान

शिक्षक हर विद्यार्थी को मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं : डॉ. शमशेर

मनोग्रस्तता-बाध्यता और मनोविदलता जैसी बीमारियों पर डाला प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में सिविल अस्पताल रोहतक के सौजन्य से मानसिक स्वास्थ्य पर एक विशेष विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। सिविल अस्पताल की टीम से नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. सुमन हुड्डा और सुनीता रानी ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। व्याख्यान के दौरान विशेषज्ञों ने तनाव, अवसाद (डिप्रेसशन), मनोग्रस्तता-बाध्यता और मनोविदलता (स्किज़ोफ्रेनिया) जैसी गंभीर मानसिक बीमारियों के लक्षणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों को जागरूक करते हुए कहा कि वे विद्यार्थियों में इन लक्षणों की समय पर पहचान करें और उन्हें मनोचिकित्सक के पास भेजने या परामर्श दिलाने का दायित्व उठाएं। इसके अलावा, सरकारी स्तर पर उपलब्ध नशा मुक्ति सुविधाओं और अन्य उपचार व्यवस्थाओं की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. शमशेर हुड्डा ने वर्तमान परिस्थितियों में बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का विशेष योगदान हर विद्यार्थी को मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाने में मददगार साबित होगा। इस दौरान डॉ. वीना सचदेवा, डॉ. फूल कुमार, डॉ. किरण शर्मा, डॉ. अनीता सिंघल सहित मनोविज्ञान विभाग से डॉ. नीलम मंगला, डॉ. विनोद, डॉ. सत्य प्रकाश, डॉ. अंकिता, मिसेज कविता व समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES

MRI/CT TECHNICIAN	4
COMPUTER OPERATOR	2
PRO	2
NURSING STAFF	4
WARD BOY	2
GATE KEEPER	2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

सुंडाना के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में उगी बड़ी-बड़ी घास। खिलाड़ी परेशान।

ऐसे तो नहीं मिलेंगे चैंपियन

खेल नगरी में खिलाड़ियों की मेहनत पर प्रशासनिक लापरवाही पड़ रही भारी

मेडल गढ़ने वाले स्टेडियम बदहाली के शिकार, घास गंदगी व अव्यवस्था के बीच कैसे तैयार होंगे मेडलवीर

रोहित डागर ▶▶| रोहतक

ग्राउंड रिपोर्ट

रोहतक को खेल नगरी के रूप में पहचान दिलाने वाले स्टेडियम आज खुद बदहाली की तस्वीर बने हुए हैं। करोड़ों रुपये खर्च कर बनाए गए इन खेल परिसरों में खिलाड़ियों को बुनियादी सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं। सुंडाना स्टेडियम में मैदान की बड़ी-बड़ी घास और खेल उपकरणों की कमी खिलाड़ियों की सुरक्षा और अभ्यास दोनों के लिए चुनौती बनी हुई है, जबकि छोटूराम स्टेडियम में एथलेटिक्स ट्रैक पर साइकिल चलने, गंदगी, पीने के पानी और साफ शौचालयों के अभाव से खिलाड़ी परेशान हैं। खिलाड़ियों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो खेल प्रतिभाओं को निखारने वाले ये स्टेडियम अपनी पहचान खो देंगे।

छोटूराम और सुंडाना गाव के राजीव गांधी खेल स्टेडियम के हाल बेहाल

रोहतक। छोटूराम स्टेडियम में उगी बड़ी–बड़ी घास व गंदा पड़ा टॉयलेट।

छोटूराम स्टेडियम : ट्रैक का गलत इस्तेमाल

दीपक मदीना।

शहरी क्षेत्र के छोटूराम स्टेडियम में भी अव्यवस्थाओं का बोलबाला है, जिससे ट्रैक पर दौड़ने वाले धावक परेशान हैं। दीपक मदीना ने बताया कि एथलेटिक्स ट्रैक पर अभ्यास के समय आस-पास की कॉलोनियों के लोग अपने बच्चों को ले आते हैं, जो वहाँ साइकिल चलाते हैं। धावकों को अभ्यास में परेशानी होती है।

टॉयलेट भी गंदे

राजेंद्र सिंह

राजेंद्र सिंह ने स्टेडियम की प्रशासनिक लाचारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि यहाँ न तो पीने के साफ पानी की व्यवस्था है और न ही टॉयलेट साफ हैं। चारों तरफ उगी बड़ी-बड़ी घास के कारण स्टेडियम का स्वरूप बिगड़ चुका है।

सुंडाना स्टेडियमः मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति, जहरीले जीवों का खतरा

प्रदीप ढाका

ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए वर्ष 2010 में सुंडाना गांव में स्टेडियम बनाया गया था, लेकिन आज यह अपनी मूलभूत पहचान खो रहा है। गांव के प्रदीप ढाका ने बताया कि खेल विभाग ने हाल ही में मरम्मत का काम तो किया, लेकिन मैदान में अब भी बड़ी-बड़ी घास उगी हुई है, जिससे जहरीले सांप-बिच्छुओं का खतरा रहता है।

खेल उपकरणों का भी अभाव

सुशील ढाका

रिटायर्ड शिक्षक सुशील ढाका के अनुसार, यहाँ रोज़ 50 से अधिक बच्चे अभ्यास करते हैं। इसके बावजूद न तो यहाँ सफाई की कोई व्यवस्था है और न ही कुश्ती व कबड्डी के खिलाड़ियों के लिए मैट उपलब्ध हैं।

कटौती से लोग बेहाल, रात की नींद उड़ी, पानी से कारोबार तक हर व्यवस्था प्रभावित

शेड्यूल कुछ और... कटौती कुछ और

बिजली निगम से नहीं संभल रही सप्लाई हर दो घंटे में लग रहे लोड रेगुलेशन कट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सिटी पल्स

बिजली कब आएगी? इन दिनों रोहतक के हजारों उपभोक्ताओं का सबसे बड़ा सवाल यही है। बिजली निगम की ओर से जारी शेड्यूल और जमीनी हकीकत में बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। कई इलाकों में बिना किसी पूर्व सूचना के बार-बार बिजली काटी जा रही है। दिन हो या रात, कभी आधे घंटे तो कभी कई घंटों तक बिजली गायब रहने से लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है।
घरों में पानी का संकट गहरा रहा है तो दुकानदारों और छोटे कारोबारियों का काम भी प्रभावित हो रहा है। बिजली निगम सप्लाई संभालने में विफल साबित हो रहा है। इसके लिए हर दो घंटे में रेगुलेशन कट लगाए जा रहे हैं। इससे लोगों में गुस्सा बढ़ता जा रहा है। बिजली गुल होने के कार इस उमस भरी गर्मी न दिन में चैन है और नहीं रात को चैन मिल पा रहा है।

देर रात चमारिया के ग्रामीण भड़के, पावर हाउस को घेरा

रोहतक। बिजली आपूर्ति की समस्या से परेशान चमारिया गांव के ग्रामीण शनिवार रात को पावर हाउस पहुंचे और उसका घेराव किया। इसके बाद न्होंने अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में पिछले कई दिनों से बार-बार बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या बनी हुई है, जिससे पेयजल, घरेलू कार्यों के साथ किसानों और व्यापारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग करते हुए जल्द समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। अधिकारियों ने ग्रामीणों की शिकायत सुनकर समस्या का शीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया।

बिजली की मांग करीब 1 करोड़ 4 लाख यूनिट तक

शहर में इन दिनों बिजली की मांग 1 करोड़ 4 लाख यूनिट तक तक पहुंच चुकी है। बढ़ते लोड, तकनीकी फॉल्ट और मेंटेनेंस के कारण सप्लाई बार-बार बाधित हो रही है। हालांकि निगम की ओर से निर्धारित शेड्यूल जारी किया जाता है, लेकिन उपभोक्ताओं का आरोप है कि वास्तविक कटौती शेड्यूल से कहीं अधिक हो रही है। कई क्षेत्रों में प्रतिदिन चार से पांच घंटे तक बिजली गुल रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करना भी आसान नहीं

उपभोक्ताओं का आरोप है कि समस्या बढ़ने पर बिजली निगम के हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करना भी आसान नहीं है। कई बार फोन लगातार व्यस्त मिलता है और शिकायत दर्ज होने के बाद भी समाधान में काफी समय लग जाता है।

यहां बिजली बाधित

शहर के सेक्टर-4, गणपति गार्डन, रामगोपाल कॉलोनी, सेक्टर-3, सेक्टर-2, बाबरा मोहल्ला, देव कॉलोनी, जनता कॉलोनी, माता दरवाजा, अंबेडकर कॉलोनी, आजाद नगर, पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, शिवाजी कॉलोनी, प्रीत विहार, एकता कॉलोनी और राजीव नगर जैसे क्षेत्रों से सबसे अधिक शिकायतें सामने आ रही हैं।

सूचना व्यवस्था कमजोर

लोगों का कहना है कि बिजली निगम को अपनी सूचना व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। मोबाइल संदेश, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से पहले ही कटौती की जानकारी दे दी जाए तो लोगों को कम परेशानी होगी। उपभोक्ताओं का यह भी कहना है कि बार-बार हो रही अघोषित कटौती से यह महसूस हो रहा है कि बिजली व्यवस्था पर निगम का नियंत्रण कमजोर पड़ रहा है।

कटौती का असर केवल घरों तक सीमित नहीं

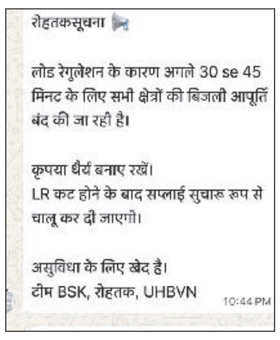
रोहतकसूचना

लोड रेगुलेशन के कारण अगले 30 se 45 मिनट के लिए सभी क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बंद की जा रही है।

कृपया धैर्य बनाए रखें।
LR कट होने के बाद सप्लाई सुचारू रूप से चालू कर दी जाएगी।

असुविधा के लिए खेद है।
टीम BSK, रोहतक, UHBVN
10:44 PM

उमस के कारण छोटे बच्चे, बुजुर्ग और मरीज सबसे ज्यादा परेशान हैं। लोगों को घंटों अंधेरे और गर्मी में समय बिताना पड़ रहा है।

- अघोषित कटौती का असर केवल घरों तक सीमित नहीं है। बिजली नहीं रहने से घरों में पानी की मोटर नहीं चल पा रही हैं।
- टंकियां खाली रहने से कई कॉलोनियों में पेयजल संकट की स्थिति बन गई है। सुबह के समय लोगों को पानी भरने और दैनिक कार्यों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।
- व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। फोटोकॉपी सेंटर, साइबर कैफे, सैलून, वेल्डिंग की दुकानें और छोटे उद्योग बिजली पर निर्भर हैं। बार-बार बिजली जाने से ग्राहक लौट रहे हैं और कारोबार प्रभावित हो रहा है।
- डेयरी, खाद्य पदार्थ बेचने वाले दुकानदारों सामान खराब होने से नुकसान हो रहा है।

सप्लाई सामान्य करने का प्रयास

बढ़े हुए लोड, स्थानीय तकनीकी फॉल्ट और आवश्यक मेंटेनेंस कार्यों के कारण कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। निगम की टीमें लगातार फील्ड में काम कर रही हैं और जहां भी फॉल्ट की सूचना मिल रही है, उसे जल्द से जल्द दूर कर सप्लाई सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही उपभोक्ताओं को बेहतर सूचना उपलब्ध कराने के लिए भी व्यवस्था मजबूत की जा रही है।
-बिजेंद्र नरवाल, एसई, रोहतक

रात 10 बजे गई बिजली सुबह 10 बजे लौटी

अघोषित कटौती से कॉलोनीवासियों का फूटा गुस्सा

रोहतक। शहर की अंबेडकर कॉलोनी सहित आसपास की कई कॉलोनियों में अघोषित बिजली कटौती और डिम सप्लाई से लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। वार्ड नंबर-21 स्थित अंबेडकर कॉलोनी गली नंबर-1 में मंगलवार रात करीब 10 बजे बिजली गुल हुई, जो बुधवार सुबह करीब 10 बजे बहाल हुई। करीब 12 घंटे तक बिजली नहीं रहने से लोगों को पूरी रात गर्मी में जागकर बितानी पड़ी। वहीं, डिम वोल्टेज के कारण कई घरों में बिजली उपकरण खराब होने की शिकायतें भी सामने आई हैं। कॉलोनीवासियों का कहना है कि पिछले कई दिनों से लंबे-लंबे बिजली कट लगाए जा रहे हैं। बिजली आने के बाद भी वोल्टेज इतना कम रहता है कि पंखे और अन्य उपकरण ठीक से नहीं चलते। डिम सप्लाई के कारण कई लोगों के एलईडी टीवी, कूलर, फ्रिज, पंखे और इनवर्टर खराब हो चुके हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी जसबीर कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले उनके घर का छत वाला पंखा और इनवर्टर डिम वोल्टेज के कारण खराब हो गया था। उन्होंने कहा कि उनके अलावा भी कॉलोनी के कई लोगों के बिजली उपकरण जल चुके हैं। लोगों ने आरोप लगाया कि शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा।

ये रहे मौजूद

इस दौरान जसबीर कुमार, ईश्वर सिंह, सूरत, सुभाष, सनी, जय सिंह, संतरा, बबली, पुष्पा, संतोष, ओमपति, कैलाश, प्रमिला, प्रेम, संगीता, बाला, कमल, चंद्रकला, यशवंती, रीना मौजूद रहे।

भारी परेशानी

बिजली निगम का शेड्यूल कुछ और होता है और कटौती किसी अलग समय की जाती है। आए दिन बिजली कट से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- महेंद्र

व्यवस्था ठीक हो

4-5 घंटे की कटौती से लोग बेहाल हो गए हैं। रात को कई बार कट लगते रहते हैं। जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। बिजली निगम को व्यवस्था ठीक करनी चाहिए।
-सोनू

सांपला में कंपनी जाने के लिए घर से निकला युवक लापता, पुलिस ने दर्ज किया मामला

सांपला। समचाना गांव का एक 30 वर्षीय युवक कंपनी में ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकला, लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश के बाद थाना सांपला में शिकायत दी, जिस पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस को दी शिकायत में समचाना निवासी रामप्रकाश ने बताया कि उनका पुत्र कृष्ण हसनगढ़ स्थित इंडो आर्या प्राइवेट कंपनी में कार्यरत है। शुक्रवार को वह साइकिल से ड्यूटी जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। शिकायत मिलने के बाद थाना सांपला पुलिस ने मामला दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मकान में चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार, सामान किया बरामद

रोहतक। शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस ने न्यू राजेंद्र कॉलोनी स्थित एक बंद मकान में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया सामान भी बरामद कर लिया है। आरोपी को अदालत में पेश कर मामले की गहनता से जांच की जा रही है। न्यू राजेंद्र कॉलोनी निवासी उदयराज की शिकायत पर 11 जुलाई को थाना शिवाजी कॉलोनी में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह 9 जुलाई को किसी कार्य से घर से बाहर गया हुआ था। शाम को लौटने पर उसने देखा कि घर का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर घर से सिलाई मशीन, दो गैस सिलेंडर, पानी की मोटर, कुछ बर्तन और करीब 10 हजार नकद गायब मिले। मामले की जांच मुख्य सिपाही मनोज को सौंपी गई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर कार्रवाई करते हुए 17 जुलाई को भीम अखाड़ा वाली गली, खोखराकोट निवासी नेशु पुत्र राकेश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुनारियां व सुनारी कलां के छह गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के मिले दस्तावेज

रोहतक। सुनारियां और सुनारी कलां गांव के इतिहास से जुड़े छह ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रामाणिक दस्तावेज सामने आए हैं, जिनके नाम अब तक गांव के मुख्य गौरव पट्ट पर दर्ज नहीं हैं। रिकॉर्ड मिलने के बाद इन वीरों के नाम गौरव पट्ट पर शामिल करने की मांग तेज हो गई है। यह खोज स्वतंत्रता सेनानी राम सिंह के पुत्र एवं शोधकर्ता भगवान फोगाट व अमर शहीद नेतराम लोहचब के पड़पोते ने संयुक्त रूप से की है। दोनों शोधकर्ताओं ने पंजाब फ्रीडम फाइटर्स के आधिकारिक Who's Who सरकारी रिकॉर्ड का अध्ययन कर प्रमाण जुटाए हैं।

गौरव पट्ट पर नाम दर्ज कराने की उठी मांग

मिले रिकॉर्ड: रिकॉर्ड के अनुसार सुनारी कलां के कैप्टन राम पत सिंह आजाद हिंद फौज की 6वीं आजाद रेजीमेंट में कार्यरत थे और युद्ध में शहीद हुए। राम सरूप तीसरी गरेलिया रेजीमेंट में रहते हुए बर्मा मोर्चे पर वीरगति को प्राप्त हुए। लेफ्टिनेंट बीसल सिंह ने दूसरे बहादुर ग्रुप में अधिकारी के रूप में सेवाएं दीं। मीर सिंह ने ब्रिटिश सेना की रॉयल आर्टिलरी छोड़कर आजाद हिंद फौज की चौथी गरेलिया रेजिमेंट का हिस्सा बनकर देश सेवा की, जबकि फूले राम ने पहली में सिपाही के रूप में योगदान दिया। वहीं सुनारिया के हवलदार राम पत सिंह को तीसरी में असाधारण वीरता के लिए 'शेर–ए–जंग' सम्मान से नवाजा गया था।

शोधकर्ताओं की मांग

शोधकर्ताओं ने प्रशासन और ग्राम पंचायत से मांग की है कि इन सभी स्वतंत्रता सेनानियों के नाम गांव के गौरव पट्ट पर शीघ्र दर्ज किए जाएं। साथ ही प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों से भी संपर्क करने की अपील की गई है, ताकि उनके सैन्य रिकॉर्ड के आधार पर अन्य गुमनाम वीरों की पहचान कर उन्हें भी उचित सम्मान दिलाया जा सके। ग्रामीणों और प्रबुद्ध नागरिकों ने भी इस मांग का समर्थन करते हुए कहा है कि जल्द ही ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रस्ताव तैयार कर जिला सैनिक बोर्ड और उपायुक्त को सौंपा जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपने गांव के इन गुमनाम वीरों के बलिदान से प्रेरणा ले सकें।

हुड्डा सिटी पार्क से चोरी हुई बाइक 24 घंटे में ही बरामद, आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। सिविल लाइन थाना पुलिस ने हुड्डा सिटी पार्क की पार्किंग से चोरी हुई मोटरसाइकिल का 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। आरोपी को अदालत में पेश कर आगे की पूछताछ की जा रही है। सेक्टर–3 निवासी हरिसिंह की शिकायत पर 17 जुलाई को थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह 16 जुलाई को हुड्डा सिटी पार्क में पार्क की लाइट ठीक करने के लिए गया था। इस दौरान उसने अपनी मोटरसाइकिल पार्किंग में खड़ी कर दी। कुछ देर बाद लौटने पर मोटरसाइकिल वहां नहीं मिली। अज्ञात व्यक्ति उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया था। मामले की जांच मुख्य सिपाही योगेश को सौंपी गई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर कार्रवाई करते हुए 17 जुलाई को पोलंगी निवासी मेहित पुत्र आनंद को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी किसी अन्य वाहन चोरी की वारदात में शामिल रहा है या नहीं।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

राजीव नगर में समस्याओं का अंबार, आमजन हलकान

गलियों में गंदा पानी, बीमारी फैलने का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

राजीव नगर क्षेत्र में सीवर जाम होने से लोगों को भारी परेशानियों उठानी पड़ रही है। टावर वाली गली में राजबाला के मकान के सामने स्थित सीवर लंबे समय से जाम पड़ा हुआ है। इसके चलते गली में हर समय गंदा पानी जमा रहता है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गंदे पानी की बदबू व गंदगी के कारण क्षेत्र में रहना मुश्किल होता जा रहा है। स्थानीय निवासी एवं समाजसेवी प्रेम सैनी ने बताया कि इस समस्या की जानकारी कई बार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को दी जा चुकी है। शिकायतों के बावजूद अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया है। उनका आरोप है कि सफाई टीम के सुपरवाइजर सुखबीर ने भी कई बार सीवर की सफाई करने से यह कहते हुए मना कर दिया कि फिलहाल सीवर की सफाई नहीं होगी। क्षेत्रवासियों में विभाग की कार्यशैली को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है।

जिला प्रशासन से गुहार

उन्होंने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से आग्रह किया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से जाम सीवर की सफाई करवाई जाए और पूरे क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। क्षेत्रवासियों ने भी चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे संबंधित विभाग के खिलाफ सामूहिक रूप से आवाज उठाने को मजबूर होंगे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गली में जमा गंदा पानी मच्छरों और अन्य कीटों के पनपने का कारण बन रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया तथा अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। प्रेम सैनी ने कहा कि यदि गंदे पानी के कारण क्षेत्र में किसी प्रकार की बीमारी फैलती है या जन-धन की हानि होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की होगी। नागरिक लगातार समस्या उठा रहे हैं, लेकिन समाधान के बजाय उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है।

दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप, पति पर केस

रोहतक। अर्बन स्टेट थाना पुलिस ने दहेज की मांग को लेकर विवाहिता से मारपीट करने, मानसिक एवं शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पति पर मामला दर्ज किया है। सनसिटी, रोहतक निवासी ट्विंकल पुत्री गिरधारी लाल की शिकायत पर वार्ड नंबर-13, मानसा (पंजाब) निवासी उसके पति कशिश पुत्र विजय के खिलाफ दहेज प्रताड़ना सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

शिकायत में ट्विंकल ने बताया कि उसके पिता ने हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार उसकी शादी बड़े धूमधाम से की थी। शादी के बाद से ही उसका पति दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगा। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर पति उसके साथ अक्सर मारपीट करता था तथा उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। इसके अलावा आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। अर्बन स्टेट थाना पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है और उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक समय तक रोजमर्रा की आपा-धापी, दुख और तनाव को दूर करने के लिए लाफ्टर क्लब्स को कारगर माना जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में दुख-अवसाद से राहत दिलाने में क्रायिंग क्लब को ज्यादा कारगर माना जाने लगा है। इसीलिए विदेशों में ही नहीं अपने देश में भी इसका ट्रेंड बढ़ रहा है। ये क्रायिंग क्लब कैसे दुखों से राहत दिलाते हैं, यहां बता रहे हैं विस्तार से।

क्रायिंग क्लबों का बढ़ता ट्रेंड
मिलकर रोने से-दुःख हो जाए कम

{ कवर स्टोरी / शाहिद ए. चौधरी }

एक दिन सुबह चहलकदमी करने के दौरान मैंने पार्क के एक कोने में कुछ बुजुर्गों को एक सुर में जोर-जोर से हंसते हुए देखा। अपने-अपने दुःखों को दूर करने, डिप्रेशन से बचे रहने और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का उनका यह तरीका है। बीते कई वर्षों से दुनिया भर में हंसी को सबसे अच्छी दवा मानकर उसे अपनाने का ट्रेंड काफी पॉपुलर हो चुका है। यह देखकर अच्छा लगा। लेकिन संयोग रहा कि जब पार्क से घर लौटा तो दुःखद समाचार मिला कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से डेथ हो गई। मैं शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचा तो देखा कि गुमसुम बैठी मृतक की पत्नी को अनेक महिलाएं रुलाने का प्रयास कर रही हैं और उनमें से एक को मैंने यह कहते हुए सुना, 'अरे, इन्हें रुला दो, कुछ तो गम गलत होगा, वर्ना सदमे की वजह से डिप्रेशन में चली जाएंगी।' इन दोनों घटनाओं से मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि मनुष्य के लिए हंसने और रोने दोनों का बहुत अधिक महत्व है। वैसे भी कुदरत ने ये दोनों गुण इंसानों को ही दिए हैं। चोट लगने पर जानवर चिल्लाते अवश्य हैं, लेकिन इंसानों की तरह रोते नहीं हैं।

रोने के लिए बन रहे क्लब

आमतौर पर रोने को कमजोरी की निशानी मान लिया जाता है। शायद तभी सुदर्शन फाकिर ने अपने एक शेर में कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' यह कहा भी भले ही जाता हो कि मर्द को दर्द नहीं होता या मर्द रोते नहीं हैं। लेकिन आज दुनिया भर के डॉक्टर्स इस बात को स्वीकार करते हैं कि रोने से मन हल्का होता है और कुछ लोगों के साथ मिलकर रोने से दुःख से राहत महसूस होती है। इसलिए देश के कई शहरों में क्रायिंग क्लब खुल रहे हैं। देश-समाज का यह नवीनतम सामूहिक संस्कार है, जिसमें हंसी की जगह आंसुओं ने ले ली है। इनमें व्यक्ति उस समय तक रो सकता है, जब तक उसके दिल का बोझ हल्का न हो जाए और वह जिंदगी की नई शुरुआत करने के लिए तैयार न हो जाए।

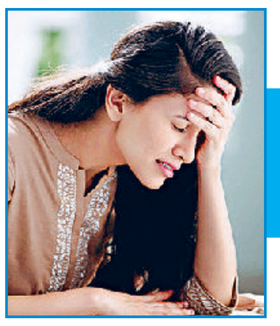

काफी लोग हो रहे शामिल

क्रायिंग क्लब, दशकों पुराने लाफ्टर क्लबों का जवाब-सा प्रतीत हो रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, बैंग्लुरु और हैदराबाद में लोग कॉफी शॉप्स, पब्स में आयोजित होने वाले क्रायिंग सेशन में शामिल हो रहे हैं। सूरत में तो 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' को चलते हुए अब आठ वर्ष हो गए हैं, जिसके सदस्य हर माह के अंतिम रविवार को एकत्र होते हैं और जी भरकर रोते हैं।

ऐसे हुई क्रायिंग क्लब की शुरुआत

सबसे पहले टोक्यो (जापान) के हिरोकी तेराई ने ग्रुप थेरेपी के तौर पर वर्ष 2013 में रुइ कत्सू (आंसू बहाना) आरंभ किया। पहले तेराई, तलाक समारोह आयोजित करने के लिए विख्यात थे, जिसमें पूर्व जोड़े अपनी शादी की अंगूठी पर हथोड़े मारते थे ताकि अपने अतीत के बोझ से मुक्त हो सकें। तेराई ने बाद में आक्रामकता को खत्म करते हुए इसका एक कोमल रूप विकसित किया, जिसमें हल्की रोशनी में भावनात्मक फिल्में देखी जाती हैं। आपसी सहमति से एक-दूसरे को खाना खिलाते हैं और क्रायिंग सेशन में लोग हिस्सा लेते हैं। अपने देश में 'स्मॉल वर्ल्ड' (डिजिटल से इतर रियल सोशल कनेक्शन को प्रमोट करने वाली संस्था) के संस्थापक सौरव आर्य ने क्रायिंग क्लब लांच किया। इसे शुरू करने के पीछे उनका तर्क यह था कि 'ऑनलाइन दोस्तों से घिरे रहने के बावजूद लोग अकेलापन महसूस कर रहे हैं।' इस क्लब के सत्र प्राइवेट कैफे व पब्स में आयोजित किए जाते हैं, जिनमें दोस्त के लिविंग रूम जैसा एहसास होता है। सेशन में सभी को बोलना जरूरी नहीं होता। बहुत से लोग दूसरों को सिर्फ सुनते हैं। सुनते हुए ही उसके दर्द को सुनकर या अपना दर्द यादकर वे रोने लगते हैं। सत्र में पुरुष और महिलाएं सभी भाग लेते हैं। आमतौर पर इसमें 20-40 वर्ष के लोग आते हैं।

रोने की विभिन्न वजहें

अमेरिका में रहने वाले 45 वर्षीय रमेश, मुंबई लौटे थे। वह ग्रुप एक्टिविटी की तलाश करते हुए एक ऐसी जगह पहुंच गए, जिसकी उन्हें उम्मीद भी न थी। एक क्रायिंग क्लब, जिसका आयोजन मुंबई के एक बार में हो रहा था, जो उन्हें दिलचस्प लगा, विशेषकर इसलिए कि उन्हें भी अपनी कुछ भावनाओं से मुक्ति पानी थी। रमेश को वह जगह नकारात्मक भावना दूर करने से अधिक संपर्क स्थापित करने वाली अधिक लगी, क्योंकि उनकी वहां ऐसे लोगों से बॉन्डिंग बनी, जो अपनी नकारात्मक भावनाओं से जूझ रहे थे। सच यही है कि ऐसे क्लबों में आने वाले लोगों के रोने के विविध कारण हो सकते हैं- ब्रेकअप, जीवन में अनपेक्षित परिवर्तन या नुकसान। अनाम थकान जिसे शब्दों में व्यक्त न किया जा सके। एक लड़की तो रोने के लिए केवल इसलिए क्रायिंग क्लब में पहुंची कि उसने पांच दिन से किसी से बात ही नहीं की थी। उसे अपने गुमनाम होने का एहसास हो रहा था। उसने सत्र में दो नए दोस्त बनाए। सत्र में शामिल होने की एक व्यक्ति ने यह वजह बताई, 'मुझे राहत नहीं चाहिए। मुझे तो बस वह जगह चाहिए, जहां मेरी उदासी को बरकरार रहने का अवसर मिले।'

सच यह है कि अलग-अलग स्थानों और परिवेश के लोग अलग-अलग तरह से रोते हैं। महानगरों में लोग बर्नआउट और अकेलेपन की वजह से रोते हैं। छोटे शहरों में रहने वाले लोग अकसर पारिवारिक या सामाजिक दबाव के कारण रोते हैं। ऐसे क्लबों में एक बार जब रोना बंद हो जाता है, तो आपसी समानुभूति का संपर्क स्थापित होना शुरू हो जाता है। लोग नए संपर्क और मुस्कान लेकर लौटते हैं। *

लाफ्टर मैन से बने क्रायिंग मैन

लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने कमलेश मसाला वाला को 'पहला लाफ्टर टीचर' घोषित किया था। तकरीबन आठ साल पहले उन्होंने तय किया कि लोगों को 25 साल तक बहुत हंसा लिया, अब उन्हें रुलाया जाए और उन्होंने 'हेल्दी क्रायिंग क्लब' की स्थापना सबसे पहले गुजरात के सूरत में की। गौरतलब है कि 2008 में मसाला वाला ने इंटरनेशनल लाफ्टर योग कांफ्रेंस के दौरान अविरल रोने की प्रतियोगिता जीती थी। उन्होंने अपनी दिवंगत माता को याद करके एकदम से रोना शुरू कर दिया था। बाद में उन्हें एहसास हुआ कि भावनात्मक आंसुओं में भी मेडिकल लाभ होते हैं। अब तो कई स्टडीज में सामने आया है कि जब हम दुःख, तनाव या कुंठा की वजह से रोते हैं तो हमारा शरीर कोर्टिसोल स्ट्रेस हॉर्मोन उत्पन्न करता है। हंसने से जो आंसू निकलते हैं, उनमें यह हार्मोन नहीं होता है। यानी सुकून महसूस करने के लिए हंसी के साथ आंसू भी जरूरी हैं।

भूटान, ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश बना है। क्या है यह डिक्लेरेशन और किस तरह समाज की चुनौतियों से निपटने में यह सहायक हो सकता है? इसके साथ ही कुछ ज्वलंत सवालों पर नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने साझा किए अपने विचार।

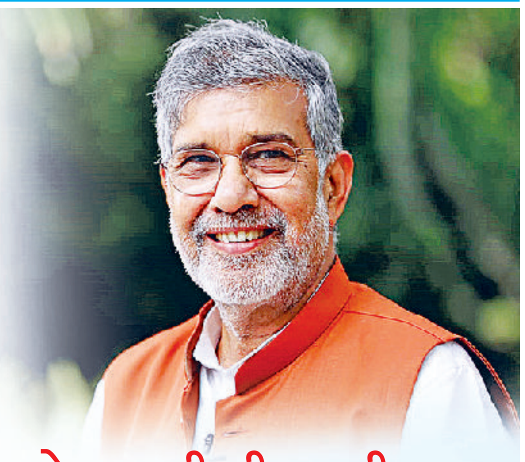

दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह
महसूस करने से जन्मती है करुणा की शक्ति

{ विशिष्ट अभिव्यक्ति/ कैलाश सत्यार्थी }

हाल ही में हमारे पड़ोसी देश भूटान ने ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन (जीसीडी) पर हस्ताक्षर किया है। ग्लोबल कंपैशन डिक्लेरेशन, एक महत्वपूर्ण, अनूठा दस्तावेज है। पिछले साल सितंबर में संयुक्त राष्ट्र संघ के महाधिवेशन में सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कंपैशन ने मोनाको देश की सहभागिता में एक विशेष बैठक आयोजित किया, जो करुणा के वैश्वीकरण से शासन तंत्र को करुणामय बनाने के विचार से आयोजित किया गया था। उस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्राध्यक्ष, संयुक्त राष्ट्र संघ के वरिष्ठ अधिकारी, नोबेल पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इसमें संवाद के बाद जो सहमति बनी, वह एक घोषणापत्र के रूप में सामने आई, जिसमें सबसे बड़ी बात यह थी कि उन्होंने करुणा की हमारी बदली परिभाषा को स्वीकार किया। सामान्य तौर पर करुणा को एक नाजुक भाव मान लिया जाता है। हमारी परिभाषा में करुणा वह शक्ति है, जो दूसरे की तकलीफ को अपनी पीड़ा की तरह महसूस करने से जन्मती है और उसके समाधान की प्रेरणा शक्ति बनती है। इसी के आधार पर समाज के हर क्षेत्र में विवेकपूर्ण समाधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह घोषणापत्र तैयार हुआ। भूटान पहला देश है, जिसने इसे अनुमोदित किया और वहां के प्रधानमंत्री ने इस पर हस्ताक्षर किया। बाद में एक अन्य छोटे से देश तिमोर लेस्ते ने भी हस्ताक्षर किया।

विकसित करना होगा करुणामय नेतृत्व: आज जब समाधानकर्ताओं और पीड़ितों के बीच खाई चौड़ी होती चली जा रही है, तब यह आवश्यक है कि शासन व्यवस्था, शिक्षा, चिकित्सा, न्याय, मीडिया आदि में करुणामय नेतृत्व विकसित किया जाए। इसका अर्थ यह हुआ कि इन सभी संस्थाओं या क्षेत्रों में लोग दूसरे की समस्याओं को अपना समझकर उसके निपटान के लिए नेतृत्व करें। यह काम लगातार व्यावहारिक प्रशिक्षण संवाद और अनुभवजनित ज्ञान जैसे प्रयोगों से संभव है। ऐसे कुछ वैज्ञानिक शोध हुए हैं, जिनसे साबित हुआ है कि अस्पतालों में चिकित्साकर्मियों के करुणाजनित व्यवहार के परिणामस्वरूप मरीजों का जल्दी और प्रभावशाली उपचार हो सका। इसी तरह कॉरपोरेट जगत में करुणामय नेतृत्व के कारण प्रबंधन में परस्पर विश्वास और सक्रिय भागीदारी, कर्मचारियों में संतोष, उत्साह और कंपनियों में उत्पादन-मुनाफा बढ़ गया।

युद्ध का खामियाजा भुगतते हैं बच्चे: यह पूरी मानवता के लिए बेहद चिंताजनक तथ्य है कि आज दुनिया में लगभग 47 करोड़ बच्चे युद्धग्रस्त क्षेत्रों में रहने को विवश हैं। हम सबको यह समझना जरूरी है कि इतिहास में बच्चे कभी युद्ध का कारण नहीं रहे। न ही कभी वे युद्ध लड़ते हैं। परंतु युद्ध का सबसे ज्यादा खामियाजा उन्हीं को भुगतना पड़ता है। परिवार से बिछड़ना, पढ़ाई छूट जाना, मनोवैज्ञानिक और मानसिक आघात जैसे स्थाई घाव उनके पूरे जीवन को प्रभावित करते हैं। दुर्भाग्य है कि वे हमारी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं हैं। यदि वैश्विक नेताओं, नेतृत्वकर्ताओं ने अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझा होता तो दुनिया भर में इतने बच्चे असमय मौत के मुंह में न समाते।

आवश्यक है करुणामय शिक्षा प्रणाली: जब तक शिक्षा का उद्देश्य खुद की और देशों की आर्थिक तरक्की मात्र रहेगा, तब तक नागरिक स्वार्थी और आत्मकेंद्रित बनते रहेंगे। इसलिए जरूरी है कि पाठ्यक्रम और शिक्षा नीतियों के माध्यम से बच्चों में एक-दूसरे के प्रति नैतिक जवाबदेही का भाव सिखाया जाए, जिसे हम करुणामय शिक्षा प्रणाली कहते हैं।

तभी होगा वैश्विक चुनौतियों का समाधान: आज दुनिया के सामने मौजूद प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी तमाम वैश्विक चुनौतियों के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं। सबसे बड़ा कारण कथनी और करनी का अंतर है। उपभोक्तावाद, औद्योगीकरण और मुनाफा पर आधारित जीवनशैली, पृथ्वी और पर्यावरण के विनाश का बड़ा कारण है। दूसरा कारण, इस दिशा में राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव है। तीसरा, पर्यावरण विनाश और संरक्षण एकदेशीय नहीं हो सकता। यह धरती पर रहने वाले सभी लोगों को प्रभावित करता है। कम आबादी वाले अमीर देश, ज्यादा आबादी वाले गरीब देशों से कहीं अधिक कार्बन उत्सर्जन करते हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण के लिए मिसाल है भूटान: भूटान ने ऐसे कई प्रयोग किए हैं, जो पर्यावरण, मानवता और संस्कृति की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। इसमें ग्रॉस हैप्पीनेस इंडेक्स भी शामिल है। खुशी के इस पैमाने को दूसरे कई देश भी मानते हैं। साथ ही भूटान के संविधान में यह प्रावधान है कि देश का सत्तर प्रतिशत जमीन वन क्षेत्र रहेगा, जिससे जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बना रहे। वहां के महाराज, जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक और राजकुमारी सोनम जी सहित राजपरिवार, देश के मुख्य न्यायाधीश और अनेक राजनेताओं के साथ करुणामय समाज बनाने पर ठोस सहमति बनी, जिसे हम मिलकर लागू करने का समयबद्ध कार्यक्रम बना रहे हैं। *

प्रस्तुति: सरस्वती रमेश

{ लघुकथाएं }

यादों का बैंक

शहर में एक नया बैंक खुला-यादों का बैंक। यहां लोग पैसे नहीं, अपनी यादें जमा करते थे। खुशियों की यादों पर अच्छा ब्याज मिलता था, जबकि दुखद यादें हटाने के लिए लोग फीस देते थे।

एक दिन पचपन वर्षीय अजित वहां पहुंचा। उसने अपनी सबसे प्रिय याद जमा करने का फॉर्म भरा। कर्मचारी ने पूछा, 'कौन-सी याद है?'

अजित मुस्कुराया, 'वह दिन, जब मेरा पांच साल का बेटा पहली बार साइकिल चलाते हुए गिर पड़ा था। रोते-रोते फिर उठा और बोला-पापा, मैं हारूंगा नहीं।'

बैंक कर्मचारी चौंका, 'इतनी प्यारी याद क्यों जमा करना चाहते हैं? इस पर तो आपको अच्छा लाभ मिलेगा।'

अजित ने धीमे स्वर में कहा, 'इसलिए क्योंकि मेरा बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। उसकी याद हर दिन मुझे रुलाती है।'

याद बैंक की मशीन ने अजीत की उस स्मृति को उसके मन से निकाल कर जमा कर लिया। अजित हल्का महसूस करने लगा।

कुछ महीने बाद वह फिर बैंक पहुंचा। इस बार उसके चेहरे पर बेचैनी थी, 'मुझे अपनी जमा की हुई याद वापस चाहिए।' उसने बैंक कर्मी से कहा।

'लेकिन क्यों? आपने तो दर्द से छुटकारा पाने के लिए उसे जमा किया था!' अजित की आंखें भर आईं। वह बोला, 'दर्द चला गया, पर उसके साथ मेरा बेटा भी चला गया। अब मैं रोता नहीं, लेकिन मुस्कुरा भी नहीं पाता। समझ में आया कि कुछ दुख बोझ नहीं होते, वे हमारे अपनों के आखिरी निशान होते हैं।'

बैंक कर्मी ने उसकी याद लौटा दी। बैंक से बाहर निकलते समय अजित की आंखों में आंसू थे, पर होंठों पर मुस्कान भी। उसे पहली बार लगा कि हर घाव भर जाना जरूरी नहीं, कुछ घाव ही हमें इंसान बनाए रखते हैं। *

-कृति आरके जैन

श्रम का संगीत

पत्नी खर्राटे ले रही थी। पति की नींद खर्राटे की आवाज से टूट गई थी।

यह पहली ही बार था, जब पति को पत्नी के खर्राटे सुनने का अवसर मिला था। रोज तो पत्नी ही पति के खर्राटे की वजह से नींद टूटने की शिकायत किया करती थी, आज पति को यह मौका मिल गया था!

बस सुबह होने की प्रतीक्षा थी।

पति फिर से सोने की कोशिश करने लगा। आंखें मूंदते ही पत्नी की दिनचर्या उसकी आंखों के आगे आ गई, सुबह-सुबह उठना, बच्चों को तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल बस तक छोड़ना। आकर पति को जगाना, चाय पिलाना। नाश्ते और लंच की तैयारी में लग जाना। पति के कपड़े निकालकर रखना। उनको नाश्ता कराना। उनका लंच पैक करना। पति के जाने के बाद घर की साफ-सफाई और गंदे कपड़ों को वॉशिंग मशीन में डालना। नहाना-धोना, पूजा-पाठ, नाश्ता करना। बच्चों को स्कूल से लाना। खिलाना-पिलाना, उनको होमवर्क करवाना। शाम में बच्चों को पार्क ले जाना। फिर साग-सब्जी, दूध, फल और जरूरी सामानों की खरीदारी करना। सबके लिए रात का खाना पकाना। पति के आने पर उन्हें चाय-पानी देना। बच्चों को खिलाकर पति के साथ खाने बैठना। थोड़ी देर टीवी पर कोई सीरियल देखना और फिर सो जाना।

'यह खर्राटा तो श्रम का संगीत है!' पता नहीं कहां से पति के मन में यह साहित्यिक भाव आया?

पत्नी के खर्राटे अब उसे संगीतमय लगने लगे। खर्राटों से उसे अब कोई शिकायत नहीं रही। *

- संजीव ठाकुर

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

संवेदना से भरी कहानियां

चार दशक से अधिक समय से कहानी लेखन में सक्रिय वरिष्ठ लेखक गोविंद सेन की चयनित कहानियों का संकलन कुछ समय पूर्व प्रकाशित होकर आया है। इसमें उनकी अठारह कहानियां संकलित हैं।

ये कहानियां जीवन की विडंबनाओं और रिश्तों की पेचीदगियों को उजागर करने के साथ ही हमारी संवेदनाओं को झकझोरती भी हैं। मिसाल के तौर पर 'स्पीड ब्रेकर' कहानी मानवीय मनोवृत्ति को सामने लाती है, जिसमें पढ़े-लिखे व्यक्ति के मन में सहज तौर पर हीनभावना जन्म लेती है, जब उसे अपने से कम शिक्षित व्यक्ति, आर्थिक रूप से अधिक संपन्न दिखता है।

गरीब तबके के लोगों का जीवन, किस तरह छोटी-छोटी चीजों से भी वंचित रहने का दंश सहता रहता है, इसका मार्मिक वर्णन 'गुमशुदा चांद की वापसी' में किया गया है। संग्रह की एक छोटी सी कहानी 'दाढ़ी' में बहुत सरलता से सामाजिक विषमता की दुखती रग पर अंगुली रखी गई है।

संग्रह की लगभग सभी कहानियां पठनीयता से भरपूर हैं। इन कहानियों में न तो किसी वाद का झंडा उठाया गया है, न ही किसी विमर्श को लेकर हाय-तौबा की गई है। जानबूझ कर गढ़े गए शिल्प और भाषायी कलाबाजियों से मुक्त ये कहानियां बहुत सरल और सहज तरीके से हमारे मन के किसी कोने में हमेशा के लिए दर्ज होने में सक्षम हैं। *

किताब: चयनित कहानियां (कहानी-संग्रह), **लेखक:** गोविंद सेन, **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

लोक-संस्कृति / शिखर चंद जैन

दुनिया के अनेक देशों की संस्कृतियों में बादल और बारिश को उम्मीद, समृद्धि और जीवन का संदेशवाहक माना जाता है। इसी खुशी को अलग-अलग देशों में अनूठे उत्सवों, लोक-परंपराओं, प्रार्थनाओं, नृत्य और सामुदायिक अनुष्ठानों के जरिए उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। वर्षा ऋतु से जुड़े ऐसे ही कुछ उत्सवों पर एक नजर।

दुनिया भर में मनाते हैं रंग-बिरंगे वर्षा उत्सव

वर्षा प्रार्थना महोत्सव, वियतनाम

मार्च के शुष्क मौसम में वियतनाम के हा जियांग प्रांत में लो लो समुदाय के लोग पारंपरिक नृत्य और प्रार्थना के माध्यम से बादलों से पानी बरसाने की गुहार लगाते हैं। इसमें तांबे के प्राचीन ड्रम बजाना और पुजारी (शमन) द्वारा प्राकृतिक शक्तियों को प्रसन्न करने वाले मंत्रोच्चार शामिल होते हैं, जिसके बाद सामूहिक भोज का आयोजन होता है। वियतनाम का एक अन्य श्वेत थाई अल्पसंख्यक समुदाय जेन, बारिश के आगमन पर फोन महोत्सव मनाता है। यह उत्सव उत्तर-पश्चिमी वियतनाम की माई चाऊ की खूबसूरत घाटी में होता है। इस उत्सव में गांव के लोग पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाते हैं, सामूहिक रूप में लोक गीत गाते हैं और अच्छी बारिश की कामना के लिए अनुष्ठान करते हैं। वियतनाम में रहने वाले जराई समुदाय के लोग प्ली ओई नामक वर्षा प्रार्थना उत्सव, किसी राष्ट्रीय ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्थल पर सामूहिक तौर पर मनाते हैं। यह आयुन हा कम्यून और जिया लाई प्रांत में मनाया जाता है। *

बरशा बंदोना, बांग्लादेश

हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में आषाढ़ महीने के पहले दिन मनाए जाने वाले इस उत्सव बरशा बंदोना में संगीत, कविता पाठ और साल की पहली बारिश में स्नान करने की अनूठी परंपरा है। इस उत्सव में ग्रामीण महिलाएं आसमानी नीले रंग की साड़ियां पहनकर बादलों का स्वागत करती हैं। वर्षा का आह्वान करती हैं। *

हरियाली तीज पर झूला झूलती महिलाएं

प्रकृति से जुड़ाव का पर्व साओ जोआओ

भारत में मनाए जाने वाले वर्षा उत्सव

अपने देश भारत के अलग-अलग भागों में भी बारिश के आगमन पर, इसके स्वागत के लिए कई पारंपरिक उत्सव मनाए जाते हैं।

हरियाली तीज: राजस्थान समेत उत्तर भारत के कई राज्यों के ग्रामीण और आंचलिक क्षेत्रों में वर्षा ऋतु के आगमन पर प्रकृति की हरियाली और बादलों का स्वागत करने के लिए हरियाली तीज पर्व मनाते हैं। इस पर्व से धार्मिक आस्था भी जुड़ी हुई है। महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं और व्रत रखती हैं। इसके अलावा आपसी समुदाय और आस-पड़ोस की महिलाएं किसी बाग-बगीचे में सामूहिक तौर पर झूला झूलती हैं और पारंपरिक लोकगीत गाती हैं।

साओ जोआओ: मानसून की शुरुआत में गोवा में मनाया जाने वाला अनोखा त्योहार है, साओ जोआओ। इस पर्व में युवा मानसूनी बारिश के पानी से भरे कुओं और तालाबों में कूदकर प्रकृति के इस उपहार का जश्न मनाते हैं। इस उत्सव पर लोग सिर पर फलों के मुकुट भी पहनते हैं। इस तरह यह पर्व प्रकृति से हमारे जुड़ाव और उस पर निर्भरता को प्रकट करता है।

सापुतारा मानसून महोत्सव: गुजरात राज्य में मनाया जाने वाला सापुतारा मानसून महोत्सव, भारत के चुनिंदा उत्सवों में से है जो विशेष रूप से आसमान में तैरते बादलों, धुंध और बारिश के मनोरम मौसम को समर्पित है। इस पर्व से भी स्थानीय लोक संस्कृति की कई परंपराएं जुड़ी हुई हैं।

मकाहिकी उत्सव, अमेरिका

अमेरिका के हवाई द्वीप में मनाया जाने वाला मकाहिकी उत्सव वर्षा ऋतु, उर्वरता और शांति के देवता 'लोनो' को समर्पित है। चार महीनों तक चलने वाले इस पारंपरिक लोक उत्सव में कृषि कार्यों को रोककर दावतें, संगीत और पारंपरिक नृत्य किए जाते हैं। भरपूर वर्षा और उससे उपजी फसल के लिए देवता का धन्यवाद दिया जाता है। इस उत्सव के दौरान किसी भी तरह का विवाद, झगड़ा करना वर्जित होता है। सभी मिलकर प्रेम और सौहार्द के साथ सामूहिक तौर पर पहली बारिश का जश्न मनाते हैं। *

लोंगटैटो महोत्सव, चीन

चीन में मनाए जाने वाले पारंपरिक त्योहार लोंगटैटो में लोग बारिश के देवता माने जाने वाले 'ड्रैगन' के प्रति अपनी आदरांजलि अर्पित करते हैं, ताकि वे प्रसन्न रहें और उनकी कृपा से पूरे वर्ष कृषि के लिए अच्छी वर्षा होती रहे। 'लोंगटैटो' का शाब्दिक अर्थ 'अजगर (ड्रैगन) का अपना सिर उठाना' होता है। प्राचीन काल में चीन के निवासियों का मानना था कि इस दिन के बाद बारिश बढ़ जाती है, क्योंकि बारिश लाने वाला ड्रैगन राजा अपनी सर्दियों की नींद से जाग जाता है। इस त्योहार की सबसे प्रसिद्ध परंपरा इस दिन बाल कटवाना है। चीनी लोगों का मानना है कि इस दिन नाई के पास जाना या बाल कटवाने से दुर्भाग्य दूर होता है और पूरे साल अच्छी किस्मत बनी रहती है। इस दिन लोग 'ड्रैगन' नाम से जुड़े या ड्रैगन के अंगों का प्रतीक माने जाने वाले व्यंजन खाते हैं, जैसे- ड्रैगन की मूंछों वाले नूडल्स (लॉन्गक्स्यू नूडल्स) और पकौड़ी, ताकि अच्छी फसल और मौसम के लिए अपने भोजन के जरिए भी प्रार्थना की जा सके। *

लक्ष्य निर्धारण से मिलेगी करियर में निश्चित सफलता

बदलते दौर में किसी करियर में सफल होने के लिए केवल मेहनत नहीं, बल्कि निश्चित लक्ष्य और सही दिशा का होना भी जरूरी है। स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को अवसर पहचानने, बेहतर निर्णय लेने और निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा देते हैं। अपना लक्ष्य कैसे निर्धारित करें, किस तरह उसे प्राप्त करें, बहुत उपयोगी सलाह।

सेल्फ इंप्रूवमेंट / नरेंद्र कुमार

मशहूर करियर काउंसलर रिचर्ड एन. बोलस ने अपनी किताब 'व्हाट कलर इज योर पैराशूट' में लिखा है, 'करियर में ऊंची उड़ान भरनी है तो पहले अपनी मंजिल तय करें।' तकनीक, एआई, ऑटोमेशन और बदलते रोजगार बाजार ने करियर की दुनिया को पूरी तरह से बदल दिया है। आज सफलता केवल कड़ी मेहनत से नहीं मिलती बल्कि उस सही दिशा से मिलती है, जिसे लक्ष्य निर्धारण या गोल सेटिंग कहा जाता है।

लक्ष्य देता है स्पष्ट दिशा: मानव मस्तिष्क तब सबसे प्रभावी ढंग से काम करता है, जब उसे स्पष्ट उद्देश्य हासिल होता है। मनोविज्ञान बताता है कि लक्ष्य हमारे ध्यान, ऊर्जा और निर्णयों को एक दिशा में केंद्रित करते हैं। बिना लक्ष्य के व्यक्ति अनेक काम करता है, लेकिन उसकी ऊर्जा बिखर जाती है। जबकि स्पष्ट लक्ष्य उसे बताते हैं कि कौन-सा काम महत्वपूर्ण है और कौन-सा बिना किए भी चल जाएगा। यही कारण है कि उद्यमी, वैज्ञानिक, खिलाड़ी और प्रशासक अपने बड़े उद्देश्यों को छोटे-छोटे लक्ष्यों में बांटकर काम करते हैं।

गोल सेटिंग से बढ़ती उत्पादकता: स्पष्ट लक्ष्य व्यक्ति को समय का महत्व समझाता है। जब किसी व्यक्ति के पास निर्धारित लक्ष्य होता है, तो वह लगातार सीखने के लिए प्रेरित होता है। मसलन यदि किसी का उद्देश्य साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ बनना है तो नेटवर्किंग, क्लाउड सिक्योरिटी, एथिकल हैकिंग और एआई आधारित सुरक्षा प्रणालियों का लगातार अध्ययन करता है। वास्तव में यही सीखने की प्रवृत्ति भविष्य में उसकी बड़ी ताकत बनती है।

निर्णय लेना सीखिए: करियर में हर दिन छोटे-बड़े निर्णय लेने होते हैं- नई नौकरी स्वीकारें या नहीं, कौन-सा कोर्स करें, किस तकनीक को सीखें, किस अवसर को छोड़ दें? ये ऐसी बातें हैं जो हर उस व्यक्ति के सामने आती ही आती हैं, जो अभी अपने करियर में आगे बढ़ने की दिशा में होता है। ऐसे में यदि आपका लक्ष्य स्पष्ट है तो निर्णय लेना सरल हो जाता है, क्योंकि हर विकल्प को उसी कसौटी पर परखा जाता है कि वह हमें हमारे उद्देश्य के कितना निकट ले जाएगा।

छोटे-छोटे लक्ष्य प्राप्त करें: जब व्यक्ति छोटे लक्ष्य पूरा करता है तो उसका अपनी क्षमता पर भरोसा बढ़ने लगता है। वास्तव में यही आत्मविश्वास उसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित करता है और यही आत्मविश्वास बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए उसका आधार बनता है। करियर की लंबी यात्रा में यह मानसिक ताकत बेहद जरूरी होती है।

ऐसे डिसाइड करें टार्गेट

कुछ करियर काउंसलर लक्ष्य तय करने के मामले में एक स्मार्ट मॉडल अपनाने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार ऐसे लक्ष्य बनाएं, जो बिल्कुल स्पष्ट हों, जिसे हासिल किया जा सके, यानी जो आपकी क्षमताओं के अनुकूल हो। लक्ष्य ऐसा हो, जो वर्तमान समय में प्रासंगिक करियर हो, जिस तक एक समयबद्ध रफ्तार से पहुंचा जा सके।

बदलें अपनी रणनीति: जिन लोगों के पास कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं होता, वे एक समय के बाद ठहर जाते हैं। कोई परियोजना अपेक्षित परिणाम नहीं देती है। ऐसे में वे बार-बार असफल होने लगते हैं। लेकिन जिनके पास अपने लक्ष्य की स्पष्ट दिशा होती है, वे इन बातों से परेशान नहीं होते। वे अपनी रणनीति बदलते हैं, सीखते हैं और फिर आगे बढ़ जाते हैं।

मजबूत नेटवर्क बनाएं: जब व्यक्ति के करियर का अपना लक्ष्य तय होता है, तो वह अपने तय लक्ष्य के वरिष्ठों और विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग मजबूत करता है, क्योंकि उसे पता होता है कि आज नहीं तो कल उसे इन्हीं के साथ काम करना है। यह नेटवर्क इसके लिए बहुत काम का साबित होता है। *

नेचुरल प्लेस / बाल मुकुंद ओझा

स्टेपिंग स्टोंस खूबसूरत रिवर क्रॉसिंग

लंदन, दुनिया के अग्रणी पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां अगर तापमान 22 डिग्री सेल्सियस हो तो यह अच्छे मौसम का परिचायक माना जाता है। लंदन प्रवास के दौरान एक दिन ऐसे ही अनुकूल मौसम का फायदा उठाते हुए हमने सपरिवार घूमने का प्रोग्राम बनाया और पहुंच गए बॉक्स हिल की तलहटी पर बहने वाली मोल नदी पर बने मशहूर स्टेपिंग स्टोंस पर।

खूबसूरत वॉकिंग प्लेस: मोल नदी, दक्षिणी इंग्लैंड में टेम्स नदी की एक सहायक नदी है। यह गैटविक एयरपोर्ट के पास वेस्ट ससेक्स में निकलती है और सरे शहर से उत्तर-पश्चिम में 80 किमी. बहकर हैंपटन कोर्ट पैलेस में टेम्स नदी तक पहुंचती है। यह नदी सरे जिले के मोल वैली को अपना नाम देती है। यह खूबसूरत वॉकिंग प्लेस, साउथ लंदन स्थित हमारे घर से लगभग 50 किमी. दूर ही है। स्टेपिंग स्टोंस, सरे काउंटी स्टेट के इस हिस्से में एक मशहूर जगह है और नदी को बहते हुए बिल्कुल करीब से देखने के लिए यह एक परफेक्ट जगह है।

इसे पार करना है रोमांचक: स्टेपिंग स्टोंस, पत्थरों का एक सेट है, जिसे एक काम चलाऊ रास्ता बनाने के लिए लगाया गया है। यह पैदल चलने वालों को एक प्राकृतिक नदी के रास्ते से होकर ले जाता है। ये स्टोन यानी पत्थर विक्टोरियन जमाने से बॉक्स हिल आने वाले पर्यटकों का पसंदीदा स्थल रहे हैं। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक, पत्थर से पत्थर पर कदम रखते हैं और बिना फिसले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं। ये बैलेंस ब्लॉक, शारीरिक गतिविधि और सक्रिय प्रयास को बढ़ावा देते हैं। विशेषकर बच्चे, किशोर और युवाओं को ये स्टेपिंग स्टोंस, पूरे शरीर के व्यायाम के लिए कूदने, खिंचाव, चढ़ाई और संतुलन बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। मैंने भी नदी को इन लगभग 15 स्टेपिंग स्टोंस पर चलकर पार किया। कई बार बैलेंस बिगड़ा मगर तुरंत संभल भी गया। एक बारगी तो ऐसे लगा जैसे इस बार तो गिर ही जाऊंगा, मगर इन स्टेपिंग स्टोंस को आखिर पार कर ही लिया।

दूसरी तरफ हैं शानदार नजारे: एक बार स्टेपिंग स्टोन पार करने के बाद, रास्ता नदी के साथ-साथ चलता है, जहां से पानी और आस-पास की मंत्र मुग्ध कर देने वाली हरियाली के खूबसूरत नजारे दिखते हैं। बॉक्स हिल स्टेपिंग स्टोंस वॉक, सरे हिल्स नेशनल लैंडस्केप में 3.2 किमी. का हाइकिंग रूट है। लगभग 1 घंटे में 477 फीट की चढ़ाई चढ़ लेते हैं। वॉक का यह हिस्सा थोड़ा मुश्किल है, लेकिन बहुत रोमांचक है। *

बराक नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि ब्रह्मपुत्र के बाद उत्तर-पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था, कृषि, संस्कृति और पारिस्थितिकी की दूसरी महत्वपूर्ण जीवन रेखा है। इस नदी की विशेषताओं के बारे में जानिए।

पूर्वोत्तर भारत की दूसरी जीवन रेखा बराक नदी

विशिष्ट नदी / वीना गौतम

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदी किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं व संस्कृतियां फली-फूली हैं। पूर्वोत्तर भारत की नदियों की बात करें, तो ब्रह्मपुत्र के बाद बराक नदी, दूसरी महत्वपूर्ण नदी है। बराक नदी के बारे में कहा जाता है कि यह केवल एक जलधारा नहीं है बल्कि एक जीवंत सभ्यता, संस्कृति और पारिस्थितिकी का आधार है।

उद्गम और अपवाह तंत्र: बराक नदी मणिपुर से निकलती है और असम की बराक घाटी से होकर बहती है। बराक घाटी से आगे बढ़कर यह बांग्लादेश में प्रवेश कर जाती है और वहां यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बन जाती है। मणिपुर में जहां बराक नदी का जन्म होता है, वहां यह छोटी-छोटी धाराओं के रूप में आगे बढ़ती है और फिर आगे चलकर एक विशाल नदी का रूप ले लेती है। इसकी कुल लंबाई 900 किलोमीटर है और इसका प्रवाह क्षेत्र मणिपुर, मिजोरम और असम है। बांग्लादेश में घुसने के बाद यह दो धाराओं में बंट जाती है। एक सूरमा और दूसरा कुशियारा। जब यह मेघना नदी घाटी तंत्र का हिस्सा बनकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है, उस समय यह भारत और बांग्लादेश के बीच एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलधारा का रूप ले लेती है।

पारिस्थितिकीय महत्व: बराक नदी का बेसिन जैव-विविधता का समृद्ध केंद्र है। घने वनों, वेटलैंड और मैदानों से भरपूर इलाकों से गुजरती बराक नदी, दर्जनों किस्म की मछलियों, सैकड़ों किस्म के बहुरंगी पक्षियों और मीठे अन्न की उपजाऊ फसलों का समृद्ध ठिकाना है। इस नदी में नियमित बाढ़ आती है। लेकिन यह बाढ़ यहां जितना प्रत्यक्ष नुकसान करती है, उससे कई गुना ज्यादा अपने साथ उर्वरक मिट्टी लाकर खेती का जरिया भी बनती है।

पूर्वोत्तर की कृषि-अर्थव्यवस्था में योगदान: पूर्वोत्तर के कृषि जीवन में इस नदी का योगदान ब्रह्मपुत्र नदी से भी ज्यादा है। असम के लाखों लोगों के जीवन जीने का यह मुख्य आधार है। धान, जूट और सब्जियों की खेती, इस नदी के उर्वरक मिट्टी की देन है। बाढ़ के कारण यह हर साल जो उपजाऊ मिट्टी लेकर आती है, वह एक तरह से उत्तर पूर्व का खाद्यान्न भंडार भरती है। असल में यह नदी जल परिवहन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। बराक नदी केवल जल का नहीं बल्कि कृषि, रोजगार और आर्थिक स्थिरता का भी स्रोत है।

ऐतिहासिक-सामाजिक-सांस्कृतिक महत्व: बराक नदी के किनारे बसे गांवों में त्योहारों पर अकसर मेलों का आयोजन होता है, जो जल और प्रकृति दोनों के प्रति आस्था और श्रद्धा का आधार हैं। बराक नदी के किनारे बंगाली और दूसरे समुदायों का निवास है, जिनकी सांस्कृतिक पहचान में इस नदी का महत्वपूर्ण योगदान है। इतिहास में बराक नदी ने उत्तर-पूर्व को अन्य क्षेत्रों से जोड़ने का महत्वपूर्ण काम किया था। प्राचीन और मध्यकाल में यह व्यापारिक मार्ग रही है। सिलचर जैसा सांस्कृतिक शहर इसी नदी के किनारे विकसित हुआ है।

संरक्षण है जरूरी: उत्तर-पूर्व की यह दूसरी सबसे महत्वपूर्ण नदी कई तरह की समस्याओं, जैसे- प्रदूषण, अवैध रेत खनन, जलवायु परिवर्तन आदि का सामना कर रही है। यदि इसका संरक्षण न हुआ तो पूर्वोत्तर भारत की यह दूसरी जीवनरेखा संकट में पड़ सकती है। *

मर्लिन मुनरो से इंस्पायर रहीं बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस

हॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल रहीं मर्लिन मुनरो ने दुनिया भर के दर्शकों को ही नहीं, हिंदी सिनेमा की कई फेमस एक्ट्रेसेस को भी इंस्पायर किया। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल एक एक्ट्रेस को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उस खूबसूरती, ग्लैमर और व्यक्तित्व के प्रभाव को समझने का भी समय है।

ग्लैमर आइकन / डी. जे. नंदन

साल 2026, 20वीं सदी की सबसे मशहूर हॉलीवुड एक्ट्रेस में से एक मर्लिन मुनरो का जन्मशती वर्ष है। मर्लिन मुनरो की जन्मशती केवल हॉलीवुड के लिए खास नहीं है, बॉलीवुड के लिए भी यह विशेष है। क्योंकि बॉलीवुड में भी मर्लिन मुनरो के ग्लैमर ने न केवल अपनी स्थाई छाप छोड़ी है बल्कि आज भी बॉलीवुड के ग्लैमर में मर्लिन मुनरो की साफ-साफ मौजूदगी देखी जा सकती है।

मधुबाला

जीनत अमान

हालांकि मर्लिन ने कभी-भी बॉलीवुड की कोई फिल्म नहीं की, लेकिन उनकी छवि, उनका ग्लैमर, उनका फैशन सेंस और कैमरे के सामने उनकी सहज आत्मविश्वास से भरी मौजूदगी ने बॉलीवुड की कई पीढ़ियों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रभावित किया है।

बॉलीवुड पर प्रभाव: वास्तव में 1950 और 1960 के दशक का भारतीय सिनेमा, परिवर्तन के दौर का सिनेमा था। पहले जहां नायिकाएं सादगी और पारंपरिक पहनावों तक सीमित रहती थीं, वहीं धीरे-धीरे आधुनिक परिधान, पश्चिमी फैशन और कहीं ज्यादा आत्मविश्वासी नायिका पर्दे पर दिखाई देने लगीं, जिसमें मर्लिन मुनरो के ग्लैमर का साफ-साफ असर देखा जा सकता है। भारतीय फिल्मों की नायिकाओं ने मर्लिन मुनरो से बहुत कुछ सीखा है और बहुत कुछ उनकी तरह बनने और ढलने की भी कोशिश की है। मर्लिन मुनरो की मुस्कान, कैमरे के सामने संवाद अदा करने का उनका अंदाज, बॉडी लैंग्वेज और फैशन ने भारतीय फिल्मकारों को यह एहसास कराया कि ग्लैमर भी अभिनय की भाषा का हिस्सा हो सकता है।

मर्लिन मुनरो से मधुबाला की तुलना: बॉलीवुड की जिस नायिका पर सबसे पहला और सबसे ज्यादा मर्लिन मुनरो का असर दिखा, वह मधुबाला थीं। उस दौर में अकसर मधुबाला की तुलना मर्लिन मुनरो से की जाती थी। दोनों ही असाधारण सुंदर थीं, दोनों के पास सहज मुस्कान का जबर्दस्त जादू था और दोनों ही कम उम्र में असमय मृत्यु को प्राप्त हुईं। हिंदी सिनेमा के दर्शक मधुबाला को मर्लिन मुनरो की तरह देखते थे। हालांकि दोनों की अभिनय शैली और फिल्मी यात्रा एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे। फिर भी यह सच है कि दोनों अपने-अपने देशों में सौंदर्य और आकर्षण का स्थाई प्रतीक बन गईं। मधुबाला की लोकप्रियता भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में विकसित हुई, जबकि मर्लिन वैश्विक पॉप कल्चर की पहचान बनीं।

परवीन बॉबी-जीनत अमान पर प्रभाव: परवीन बॉबी की भी तुलना कई संदर्भों में मर्लिन मुनरो से की जाती है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि अगर पश्चिमी ग्लैमर की सबसे साफ झलक बॉलीवुड की किसी अभिनेत्री में आजतक सबसे ज्यादा दिखी है, तो वह परवीन बॉबी ही थीं। 1970 और 1980 के दशक में उन्होंने भारतीय फिल्मों में आधुनिक, आत्मनिर्भर और फैशनेबल महिला की नई छवि प्रस्तुत की थी। पश्चिमी परिधान, खुले विचार और कैमरे के सामने सहज आत्मविश्वास ने उन्हें उस दौर की सबसे अलग अभिनेत्री बना दिया था। ऐसे ही जीनत अमान ने एक दौर में न सिर्फ बॉलीवुड अभिनेत्रियों की पारंपरिक परिभाषा को बदला था बल्कि वह भी पश्चिमी फैशन, मर्लिन मुनरो की तरह बड़े-बड़े धूप के चश्मे, स्टाइलिश गाउन पहनने और आत्मविश्वास से बॉलीवुड की सिने स्क्रीन को अपनी मौजूदगी से चौंधिया दिया था। हालांकि जीनत अमान या परवीन बॉबी के बारे में यह नहीं कह सकते कि वे सीधे-सीधे मर्लिन मुनरो को कॉपी करती थीं। इन दोनों ग्लैमरस एक्ट्रेसेस ने मुनरो से प्रेरणा तो ली थी, लेकिन उन्होंने अपना ग्लैमर भारतीय संदर्भों में विकसित किया था।

दीपिका पादुकोण

करीना कपूर

इन एक्ट्रेसेस पर भी दिखा असर: 1980-90 के दशक में श्रीदेवी ने ग्लैमर और अभिनय का वैसा ही संतुलन पेश किया था, जैसा कभी मर्लिन मुनरो ने हॉलीवुड में किया था। श्रीदेवी के अभिनय में उनका गजब का आकर्षण शामिल होकर उन्हें अद्वितीय बनाता था। बाद की पीढ़ियों में करीना कपूर, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण भी अपने ग्लैमर के प्रदर्शन में मर्लिन मुनरो से प्रेरित दिखाई पड़ी हैं। *

ड्रेसिंग स्टाइल-फोटो शूट पर भी दिखा असर

बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो का सबसे ज्यादा और गहरा प्रभाव किसी चीज पर पड़ा है, तो वह है कॉस्ट्यूम डिजाइन। यह अकारण नहीं है कि बॉलीवुड की हीरोइनों के बीच सफेद और आइवरी कलर के गाउन सबसे ज्यादा आकर्षण बिखेरते रहे हैं, जो कि मर्लिन मुनरो के सबसे ज्यादा पसंदीदा थे। मर्लिन मुनरो की तरह ही बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने हॉफ शोल्डर और हॉल्टर नेक ड्रेस को अपनी पहचान से बार-बार जोड़ा है। उन्हीं की तरह प्लेटिनम या हल्के सुनहरे बालों का प्रयोग, लाल लिपस्टिक, क्लासिक मेकअप तथा कैमरे की ओर हल्की मुस्कान के साथ पोज देने की शैली, ये सब कुछ बॉलीवुड की अभिनेत्रियों ने मर्लिन मुनरो से ही सीखा। ड्रेसिंग स्टाइल के अलावा फिल्म पत्रिकाओं में अनेक अभिनेत्रियों ने वैसे ही फोटो शूट कराए जैसे एक जमाने में मर्लिन मुनरो कराती थीं। घुमावदार रोशनी, क्लोज अप मुस्कान और क्लासिक हेयर स्टाइल, ये सभी प्रभाव बॉलीवुड में मर्लिन मुनरो से ही आए हैं। आज भी कई सेलिब्रिटी फोटो शूट पोज में ओल्ड हॉलीवुड थीम अपनाते हैं, जिसमें मर्लिन मुनरो की शैली सबसे खास होती है।